दैनिक
नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ | 2 | मध्यप्रदेश | 4 | अभिव्यक्ति | 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 | भोपाल, गुरूवार 14 मई 2026 , कृष्ण पक्ष द्वादशी | विक्रम संवत -2083, वर्ष -10 अंक -14 पृष्ठ -08 मूल्य-4 | भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

माता और बहनों का सम्मान सर्वोपरि : सीएम यादव

लाड़ली बहना योजना महिलाओं को बना रही आर्थिक रूप से सशक्त

मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित किये 1835 करोड़ रुपये

नरसिंहपुर की ऐतिहासिक धरोहरों पर केंद्रित कैलेंडर का किया विमोचन

मुख्यमंत्री की 51 लाड़ली बहनों ने कलश-यात्रा के साथ की अगवानी

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार के लिये माताओं और बहनों का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना मातृ शक्ति के कल्याण के लिये प्रदेश शासन द्वारा संचालित सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है। आज यहाँ पर रक्षाबंधन, भाईदूज और दीवाली सहित सभी त्यौहार एक साथ मनाने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवानी में आयोजित मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 36वीं किस्त के राशि अन्तरण और हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1835 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 296 करोड़ रुपये लागत के 40 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ ही उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब तक योजना में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान नरसिंह की यह भूमि रानी दुर्गावती के पराक्रम की साक्षी है। रानी दुर्गावती के सम्मान में प्रदेश सरकार द्वारा जबलपुर और सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की है। वहीं आदिवासी शहीद भभूत सिंह के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के सम्मान में भी विशेष कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। वर्तमान में प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 6 पर महिला सांसद हैं, जबकि 27 महिला विधायक एवं 5 महिला मंत्री कार्यरत हैं।

कम्प्यूटर एवं सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाएं आ रहीं हैं आगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बेटियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर और सुरक्षा के क्षेत्र में भी महिलाएं आगे आ रही है। पुलिस विभाग में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि 4 लाख से अधिक महिलाएँ स्वरोजगार से जुड़ी हैं। रेडीमेड कपड़ा उद्योग एवं कारखानों में कार्य करने वाली महिलाओं को 5000 रुपये ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

पीएम मोदी की अपील पर लोग एक साल तक सोना खरीदना बंद करेंगे या नहीं यह आने वाला वक्त ही बताएगा क्योंकि इस अपील का विरोध करने वाले विपक्षी अपनी जमीन जायदाद बेचकर सोना खरीदने उमड़ सकते हैं। आम आदमी जो चांदी नहीं खरीद पाता वह क्या खाक सोना खरीदेगा। खास आदमी सोना के बदले हीरे जवाहरात खरीदेगा। हां अब - सोना कितना सोना है, सोने जैसा तेरा मन..., ओ मेरे सोना रे सोना दे दूंगी जान जुदा मत होना रे .., चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल.... और सोना लई जा रे....जैसे गाने गुनगुनाना लोग बंद कर देंगे।

तापमान

अधिकतम	न्यूनतम
44°	27°

बाजार भाव

गोल्ड	सिल्वर
1,51,140	2,54,798

शेयर बाजार

सेंसेक्स	निफ्टी
77,328.19	24,176.15

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,291,743,121	1,474,975,253

पीएम ने आधा किया काफिला: मोदी की अपील के बाद अमित शाह, योगी के काफिले में कम हुई गाड़ियां

तेल बचाना है, देश चलाना है

नई दिल्ली/ए.। मिडिल ईस्ट संकट गहराने के बाद सरकार ने पेट्रोल-डीजल बचत करने के उपायों पर तेजी से अमल करने को कहा है, खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी पहल की है।

पीएम मोदी ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी कर दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी काफिले में शामिल वाहनों की संख्या घटाकर अब आधे से भी कम कर दी है। पीएम ने कहा है कि उनके काफिले में इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ाए जाएं। इसके लिए नए वाहन न खरीदे जाएं। केंद्र सरकार के मंत्रालयों ने भी ईंधन बचत की कवायद शुरू कर दी है।

बीजेपी शासित राज्यों के कुछ मुख्यमंत्रियों ने भी अपने काफिले में कटौती का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश और राजस्थान के सीएम ने यह निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने एस्कॉर्ट वाहन न लेने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल: प्रधानमंत्री ने अपने सुरक्षा बेड़े में बड़ी कटौती के निर्देश दिए। गाड़ियों की संख्या में 50% तक की कटौती करने को कहा है। बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ाने को कहा गया है।

बिहार सीएम सम्राट चौधरी का बड़ा फैसला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद बिहार में सीएम काफिले में वाहनों की संख्या कम होगी। मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से बिना अतिरिक्त वाहन कार्यक्रम में आने की अपील की गई है। सरकारी बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कराने का निर्देश दिया गया है। सरकारी कैंटीन में पाम ऑयल के कम इस्तेमाल का निर्देश है। सरकारी और निजी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने की सलाह है। सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डे मनाने की अपील है।

यूपी में नौकरशाहों की गाड़ियों में 50% कटौती

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने काफिले, मंत्रियों और नौकरशाहों की गाड़ियों की संख्या में 50% की कमी का आदेश दिया है। हफ्ते में एक दिन नो व्हीकल डे और सरकारी बैठकों को 50% तक ऑनलाइन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का भी आग्रह किया है। सीएम ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या भी कम कर ऊर्जा बचत का संदेश दिया है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने त्यागी पायलट और फॉलो वाहन सुविधा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर राष्ट्रहित में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने एक बड़ा निर्णय लिया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने अपने कारकेड में उपलब्ध कराई गई फॉलो एवं पायलट वाहन सुविधामय स्टाफ सहित तत्काल लौटा दिया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अपील केवल एक सुझाव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण मंत्र है। उन्होंने जोर देते हुए कहा फ्रपेट्रोलियम ईंधनों की बचत आज की अनिवार्य आवश्यकता है। यह न केवल सरकारी खजाने पर बोझ कम करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने विश्वास जताया कि इस पहल से न केवल संसाधनों की बचत होगी, बल्कि समाज में ऊर्जा संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा। उन्होंने नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे अपनी दैनिक जीवन शैली में ईंधन की बचत को प्राथमिकता दें क्योंकि ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील के अनुक्रम में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने काफिले से हटाई फॉलो एवं पायलट सुविधा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और पेट्रोलियम ईंधनों के किफायती एवं विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध में की गई अपील के अनुक्रम में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उनके काफिले के लिये उपलब्ध कराई गई फॉलो एवं पायलट वाहन सुविधा, संबंधित स्टाफ सहित, वापस कर दी है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा संरक्षण एवं सुरक्षा के दृष्टिगत नागरिकों से ईंधन की बचत को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है।

ट्रम्प का 8 साल बाद चीन दौरा, 9 लाख करोड़ की विमान डील संभव

ट्रम्प 15 मई तक बीजिंग में रहेंगे

वॉशिंगटन डीसी/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार को 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे। उनका विमान बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया, जहां चीनी उपराष्ट्रपति हान जेंग और चीनी डिप्लोमैट शी फेंग ने उन्हें रिसीव किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रम्प के बीच गुरुवार और शुक्रवार को अलग-अलग दौर की बातचीत होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स एआई और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रम्प 15 मई तक बीजिंग में रहेंगे। यह 2017 के बाद उनका पहला चीन दौरा है।

इस दौरे में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बोइंग विमान डील हो सकती है। चीन 500 बोइंग 737 एमएएक्स 100 बोइंग 787 ड्रीमलाइन और कई 777 एक्स वाइडबॉडी विमान खरीद सकता है। अगर करार हुआ तो यह इतिहास का सबसे बड़ा विमान सौदा होगा। ट्रम्प के साथ इलॉन मस्क, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ट्रम्प ने कहा था- ईरान जंग खत्म करने के लिए चीन की जरूरत नहीं

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की मदद की जरूरत नहीं है। ट्रम्प ने यह बयान वॉशिंगटन से बीजिंग रवाना होते समय दिया था। पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी मदद की जरूरत है। अमेरिका यह युद्ध किसी भी तरह जीत जाएगा। जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या अमेरिका में लोगों की आर्थिक परेशानियां उनके फैसलों को प्रभावित कर रही हैं, तो उन्होंने कहा, मैं अमेरिकियों की आर्थिक स्थिति के बारे में नहीं सोचता।

सट्टा सिंडिकेट के 3 आरोपी गिरफ्तार, एक करोड़ कैश बरामद

रायगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पुलिस ने रायगढ़ जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड सट्टे की कमाई को अलग-अलग कारोबारियों के यहां छिपाकर रखता फिर उसे हवाला चैनल के जरिए आगे ट्रांसफर करता था। वहीं, गिरफ्तार बाप-बेटे आरोपी सट्टे से मिले ब्लैक मनी को व्हाइट मनी में बदलते थे। पुलिस ने उनके पास से 1 करोड़ 2 लाख 81 हजार 300 रुपए कैश, एक नोट गिनने की मशीन, 4 मोबाइल फोन और अन्य सामान जब्त किया है। कुल मिलाकर पुलिस ने करीब 1 करोड़ 3 लाख 86 हजार 300 रुपए की संपत्ति जब्त की है। जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल को साइबर सेल, कोतवाली पुलिस और घरघोड़ा थाना की संयुक्त टीम ने शहर और घरघोड़ा क्षेत्र में ऑनलाइन आईपीएल सट्टा नेटवर्क पर एक साथ दबिश दी।

गरमा-गरम

विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास 118 वोट चाहिए थे, 144 मिले

एआईएडीएमके के 25 बागी विधायक साथ आए, डीएमके का वॉकआउट

चेन्नई (ए.)। तमिलनाडु विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री विजय की टीवीके सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग के वक्त सदन में 171 विधायक मौजूद थे। इनमें 144 ने टीवीके का समर्थन किया। टीवीके के पक्ष में एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों नें भी वोट डाला। एआईएडीएमके के 47 विधायक हैं। 22 ने टीवीके सरकार का विरोध किया। फ्लोर टेस्ट में 59 विधायकों वाली डीएमके ने वॉकआउट कर दिया। सदन मे मौजूद पीएमके के 4 और बीजेपी के एक विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

फ्लोर टेस्ट के साथ एआईएडीएमके में फूट भी पड़ गई । पार्टी पलानीस्वीमी और सीवी षणमुगम में गुट में बंट गई। सदन में विपक्ष के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के सीएम बने

तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/ए.। एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बने हैं। उप-राज्यपाल कैलाश नाथन ने लोक भवन में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। रंगासामी के अलावा भाजपा के ए नमस्सिवायम और एआईएलआरसी नेता मल्लादी कृष्णा राव ने मंत्री पद की शपथ ली। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एमपी में शिक्षकों को टेट पास करना ही होगा: सुप्रीम कोर्ट

बिना परीक्षा कोई शिक्षक नहीं बन सकता, जो छूट मिलनी थी, मिल चुकी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश में शिक्षकों की पात्रता परीक्षा (TET) को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पात्रता परीक्षा में जो भी छूट दी जानी थी, वह पहले ही दी जा चुकी है। ऐसे में अब होने वाली किसी भी भर्ती में पात्रता परीक्षा पास किए बिना कोई भी शिक्षक नियुक्त नहीं किया जा सकता। पुनर्विचार याचिका राज्य सरकार के साथ मध्य प्रदेश और देशभर के अन्य राज्यों के शिक्षा संगठनों की ओर से दायर की गई थी। याचिकाओं में 1998 से 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों को परीक्षा से छूट देने की मांग की गई थी।

पांच साल की छूट पहले ही दी जा चुकी

हालांकि सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट कहा कि वर्ष 2017 में नियम लागू होने के बाद पांच साल की छूट पहले ही दी जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) द्वारा तय किए गए नियमों का पालन सभी राज्यों और शिक्षकों को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अखिलेश यादव के भाई प्रतीक का निधन

लखनऊ/ए.। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

पेपर लीक: एनटीए से भरोसा उठा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा-रीएग्जाम कराए, सीबीआई ने महाराष्ट्र से 2 को हिरासत में लिया

केवल परीक्षा नहीं, लाखों परिवारों के सपनों पर चोट

हेमंत धोटे

देश में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं केवल छात्रों की योग्यता जांचने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि इनके साथ लाखों परिवारों की उम्मीदें, त्याग और वर्षों की मेहनत जुड़ी होती है। विशेषकर NEET जैसी परीक्षाएं, जिनके लिए छात्र दिन-रात एक कर देते हैं और माता-पिता अपनी जरूरतों को पीछे छोड़ बच्चों के भविष्य को संवारने में लग जाते हैं।

ऐसे में जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली की विफलता नहीं होती, बल्कि लाखों मेहनती छात्रों और उनके परिवारों के विश्वास पर सीधा प्रहार होता है। आज स्थिति यह है कि पेपर लीक देश की शिक्षा और भर्ती व्यवस्था की सबसे गंभीर समस्याओं में बदल चुका है।

हर वर्ष किसी न किसी बड़ी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आती है। 2014 के CPMT से लेकर 2015 के AIPMT, 2016 के यूपीपीएससी RO/ARO और PCS, 2018 के CBSE बोर्ड परीक्षा, 2021 के UPTET और

NEET, 2024 के UGC NET तथा यूपी पुलिस भर्ती तक अनेक परीक्षाएं इस समस्या की शिकार हो चुकी हैं। वर्ष 2026 में भी NEET UG परीक्षा से पहले कथित गेस पेपर वायरल होने और लगभग 125 प्रश्न मिलने के दावे के बाद परीक्षा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली/ए.। नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द मामले में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। इसमें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एटीए) की कार्यप्रणाली से अब भरोसा उठ चुका है। इसलिए मौजूदा गवर्निंग बॉडी का पुर्नगठन किया जाना चाहिए। सीबीआई ने नासिक से शुभम खैरनार और अहिल्याबाई नगर से धनंजय को हिरासत में लिया। धनंजय पर शुभम को पेपर देने का आरोप है। मुंबई कोर्ट ने सीबीआई को शुभम कह 2 दिन की ट्रांजिट रिमांड दी। वहीं, राजस्थान पुलिस ने गुरुग्राम से बीएएमएस फर्स्ट ईयर के छात्र को पकड़ा है। दरअसल, एनटीए ने 12 मई को पेपर लीक के बाद नीट परीक्षा रद्द कर दी थी। एनटीए ने माना कि गड़बड़ी हुई है। एग्जाम 3 मई को हुआ था, जिसमें 22.79 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

हिंदू धर्म जीवन जीने का तरीका, घर में दीया जलाना भी काफी : सुप्रीम कोर्ट

सबरीमाला केस में कोर्ट ने कहा- हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना जरूरी नहीं, घर में दीया जलाना भी काफी

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हिंदू धर्म जीवन जीने का तरीका है। हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या खास पूजा-पाठ जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि घर में दीया जलाना भी आस्था दिखाने के लिए पर्याप्त है।

यह टिप्पणी चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ ने की। बेंच धार्मिक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई हुई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है। इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिए उज्जैन में सफाई और सौंदर्यीकरण अभियान तेज

नगर निगम ने कचरा हटाने, जीरो वेस्ट इवेंट और जनभागीदारी पर बढ़ाया फोकस

उज्जैन/नवप्रदेश। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण अभियान को तेज कर दिया गया है। शहर की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। नगर निगम द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से गंदगी के बड़े स्रोतों को हटाने हेतु विशेष रिमूवल अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं दीवारों का सौंदर्यीकरण, पेंटिंग और थीम आधारित सजावट कर शहर को नया स्वरूप दिया जा रहा है। स्वच्छता कार्य में लगे सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों के सम्मान और प्रोत्साहन हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। साथ ही उनके स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए। निगम प्रशासन का मानना है कि स्वच्छता सैनिकों के सहयोग के बिना स्वच्छ शहर की परिकल्पना संभव नहीं है। जीरो वेस्ट इवेंट÷ की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए विभिन्न आयोजनों में कचरे के पृथक्करण, पुनः उपयोग और वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा शहर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर हरित और स्वच्छ वातावरण तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने शहरवासियों से अपील की है कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए नागरिक सहभागिता सबसे जरूरी है। उन्होंने लोगों से कचरे का पृथक्करण करने, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने और उज्जैन को देश का सबसे स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया है।

वाल शिफ्ट होने से जर्जर पानी टंकी तोड़ने का रास्ता साफ, कार्य में आएगी तेजी

नागदा/नवप्रदेश। मिर्ची बाजार स्थित जर्जर पानी की टंकी को तोड़ने की कार्रवाई अब जल्द शुरू होगी। टंकी हटाने के कार्य में सबसे बड़ी बाधा बनी जल वितरण वाल्व को सफलतापूर्वक दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है, जिससे अब टंकी तोड़ने का रास्ता साफ हो गया है। नगरपालिका नागदा द्वारा टंकी तोड़ने के लिए पहले ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई थी, लेकिन टंकी के समीप स्थित मुख्य वाल्व के कारण रोजाना होने वाली जलापूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए नगरपालिका की टीम ने लगातार तीन दिन और एक रात मेहनत कर वाल्व को टंकी से दूर स्थानांतरित किया। इस कार्य के दौरान आसपास के छह वार्डों में जल सप्लाई प्रभावित रही। नगरपालिका द्वारा पहले ही मुनादी कर नागरिकों को इसकी सूचना दे दी गई थी। तकनीकी कारणों से कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रही, लेकिन बुधवार शाम वाल्व शिफ्टिंग पूर्ण होने के बाद नियमित जल सप्लाई शुरू कर दी गई। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रभावित वार्डों में जरूरत के अनुसार पानी के टैंकर भेजकर राहत पहुंचाई गई। नागरिकों की मांग पर विभिन्न क्षेत्रों में टैंकरों से पानी उपलब्ध कराया गया। नगरपालिका अधिकारियों के अनुसार अब टंकी के आसपास का क्षेत्र खाली कराया जा रहा है और शीघ्र ही जर्जर पानी की टंकी तोड़ने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा आईस-लॉली निर्माण इकाई पर कार्रवाई

इन्दौर/नवप्रदेश। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सतत जांच कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कुल 14 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा राजाराम नगर स्थित डायमंड पेप्सी का औचक निरीक्षण किया गया। मौके पर मालिक मनोज कुशवाहा उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान विभिन्न फ्लेवर जैसे मैंगो, ऑरेंज, काला खट्टा, कोकोनट एवं चॉकलेट फ्लेवर की आइस लॉली का निर्माण एवं पैकिंग किया जाना पाया गया। मौके पर निर्माण कार्य में बोरिंग के पानी का उपयोग किया जाना पाया गया। जांच के दौरान आइस लॉली निर्माण में सैकरीन (Saccharine) का उपयोग किया जाना पाया गया, जो छोटे बच्चों के सेवन हेतु उपयुक्त नहीं माना जाता। साथ ही उत्पादों पर किसी प्रकार की वैधानिक चेतावनी लेबल पर अंकित नहीं पाई गई। मौके से मैंगो आइस लॉली, ऑरेंज आइस लॉली एवं सैकरीन के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही मौके पर संग्रहित लगभग 300 लीटर आइस लॉली जब्त की गई। प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों एवं अनियमितताओं के दृष्टिगत सुधार किए जाने तक निर्माण कार्य को स्थगित कराया गया।

विभिन्न फूड कैटेगरी में सैंपलिंग कार्रवाई

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा विगत दिवस आयोजित बैठक में विभिन्न फूड कैटेगरी में नमूना कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के परिपालन में आज विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य नमूने लिए गए।

एफ. सी. इन्टरप्राईजेस तिलक नगर

एफ. सी. इन्टरप्राईजेस तिलक नगर इंदौर का निरीक्षण किया गया। मौके पर प्रोपराइटर जिग्नेश मेहता उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान टोन्ड मिल्क, कंडेंस्ड मिल्क, क्रीम, हनी एवं फ्लेवर्ड मिल्क के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए।

डेल्टा मार्केटिंग, ओल्ड पलासिया

इसी क्रम में डेल्टा मार्केटिंग ओल्ड पलासिया इंदौर का निरीक्षण किया गया, जहां प्रभारी पुष्पेंद्र चतुर्वेदी उपस्थित पाए गए। उनकी उपस्थिति में फ्लेवर्ड मिल्क, डेयरी बेस्ड ड्रिंक, लैक्टोज फ्री मिल्क, कुकीज एवं रस्क के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर विजय श्री सैंडविच, जेल रोड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बेक समोसा का 01 नमूना जांच हेतु लिया गया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छता, वैध लाइसेंस, उचित लेबलिंग एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर में 45वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

ग्वालियर/नवप्रदेश। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर में बुधवार को 45वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रशिक्षण कक्ष में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से संपन्न हुई। इसमें कृषि विभाग, कृषि अभियांत्रिकी, कृभको, इफको, एम.पी. एग्रो, आत्मा, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील किसानों सहित 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही मुरैना, दतिया, शिवपुरी और लहार के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. वाय.पी. सिंह, निदेशक विस्तार सेवाएं एवं सह अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ग्वालियर ने की। मुख्य अतिथि के प्रतिनिधि के रूप में अटारी जोन-9 जबलपुर से डॉ. रजनीश श्रीवास्तव ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से सहायक संचालक श्री भानु प्रताप शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. वाय.पी. सिंह, निदेशक विस्तार सेवाएं एवं सह अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ग्वालियर ने की। मुख्य अतिथि के प्रतिनिधि के रूप में अटारी जोन-9 जबलपुर से डॉ. रजनीश श्रीवास्तव ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से सहायक संचालक श्री भानु प्रताप शर्मा उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश- 20 मई से मिशन मोड पर होगा बंडा परियोजना में विस्थापन का कार्य

तीन दिन के भीतर डिस्मेंटल होंगे सभी शासकीय भवन; कॉलोनी में मिलेंगी सभी बुनियादी सुविधाएं चारागाह और चारा भूमि का विशेष प्रबंध करने के दिए निर्देश सुरक्षा, समझाइश और संवेदनशीलता के साथ होगा विस्थापन, अतिरिक्त पुलिस बल रहेगा तैनात परियोजना से कुल 80,000 हेक्टेयर ज़मीन में होगी सिंचाई क्षेत्र के कुल 278 गाँवों के किसानों को मिलेगा सीधा लाभ 412 गाँवों के निवासियों के लिए मिलेगा पीने का पानी

सागर/नवप्रदेश। बंडा वृहद (उल्दन) परियोजना के डूब क्षेत्र में आने वाले ग्रामों के विस्थापन को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्पष्ट किया है कि जून माह में बांध का भराव शुरू होने से पहले, 20 मई से सभी प्रभावित गांवों के परिवारों को विस्थापन कॉलोनी में सुरक्षित शिफ्ट किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डूब क्षेत्र के सभी शासकीय भवनों-स्कूल, आंगनवाड़ी, थाना और चिकित्सालय को आगामी तीन दिनों के भीतर डिस्मेंटल करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि विस्थापन प्रक्रिया समझाइश और संवेदनशीलता के साथ करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने निर्देश दिए कि विस्थापन की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए प्रभावित ग्रामों में गुरुवार से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से महिला पुलिस बल की तैनाती और ग्रामीणों को समझाइश देकर स्वेच्छा से विस्थापित होने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्रीमती पाल ने कहा कि शासकीय भवनों को गिराने की कार्यवाही भी पुलिस की मौजूदगी में की जाएगी। उन्होंने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए निर्देश दिए कि विस्थापन क्षेत्रों में न केवल नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी, बिजली, चिकित्सा, स्कूल आदि हों बल्कि विस्थापितों के पशुओं के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पशुओं के लिए चारा भूमि (चारागाह) और अन्य प्रबंध तत्काल सुनिश्चित किए जाएं। नई बस्ती में शुद्ध पेयजल और बिजली के कनेक्शन प्राथमिकता से उपलब्ध कराए जाएं।

ऑन द स्पॉट होगा मुआवजे और विधिक समस्याओं का समाधान

प्रशासन ने मुआवजा वितरण और विधिक सहायता के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। एडीएम/एसडीएम के नेतृत्व में एक विशेष सेल सप्ताह के सातों दिन कार्य करेगा। जिन ग्रामीणों के आर्बिट्रेशन संबंधित केस या भू-अर्जन की राशि नहीं मिली है, उन्हें शिविरों में बुलाकर आवश्यक दस्तावेज लेकर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। साथ ही

एसडीएम और एसडीओपी 20 मई तक प्रभावित गांवों में निरंतर शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। बैठक में विस्थापन की प्रक्रिया को तेज करने के लिए 3 दिन में सभी शासकीय भवनों को डिस्मेंटल करने, 20 मई से विस्थापित परिवारों को कॉलोनी में शिफ्ट करने की प्रक्रिया सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने एसडीएम और एसडीओपी को आगामी 7 दिनों तक लगातार फील्ड पर रहकर प्रगति की निगरानी करने के भी निर्देश दिए हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक केवी, अपर कलेक्टर श्री अविनाश रावत, बंडा एसडीएम श्रीमती आरती यादव सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

दिसंबर 2026 तक खेतों में पहुँचेगा पानी

बंडा वृहद सिंचाई परियोजना क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होने वाली है। परियोजना के लिए ?3219.62 करोड़ की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है। इस योजना के पूर्ण होते ही सागर जिले की बंडा, शाहगढ़, मालथौन और छतरपुर की बक्सवाहा तहसील के किसानों का भाग्य बदल जाएगा। बंडा परियोजना से कुल 80,000 हेक्टेयर (लगभग 5 लाख एकड़) कमाण्ड क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य है। अत्याधुनिक पाइप प्रणाली से होने वाली सिंचाई का वितरण निम्नानुसार होगा-

बंडा तहसील- 35,253 हेक्टेयर सिंचित भूमि,

मालथौन तहसील- 16,266 हेक्टेयर सिंचित भूमि,

बक्सवाहा (छतरपुर)- 13,379 हेक्टेयर सिंचित भूमि,

शाहगढ़ तहसील- 10,675 हेक्टेयर सिंचित भूमि,

412 गाँवों के लिए पेयजल और औद्योगिक विकास

बंडा परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बहुउद्देशीय योजना है। बाँध की 313.07 मि.घ.मी. जल भराव क्षमता में से 16.11 मि.घ.मी. पानी 412 गाँवों की पेयजल व्यवस्था हेतु आरक्षित किया गया है। सौरई औद्योगिक क्षेत्र के लिए 1.018 मि.घ.मी. पानी सुरक्षित रखा गया है, जिससे क्षेत्र में औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, बाँध निर्माण का 75 प्रतिशत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। निर्माण एजेंसी द्वारा बाँध के कंक्रीट भाग का 90त्न काम पूरा कर लिया गया है।

मैदानी स्वास्थ संस्थाओं का प्रभावी संचालन किया जाएं, ग्रामीणों को इलाज के लिए परेशान न होने पड़े : कलेक्टर डॉ सोनवणे

माह में एक बार ब्लॉक स्तर पर भी मेडिकल बोर्ड का आयोजन किया जाएं

बैतूल/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को चिचोली विकासखंड के ग्राम चिरापाटला का भ्रमण कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचे और ग्रामीणों को उपचार के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरापाटला में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन एवं गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच संबंधी रजिस्टर और प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। उन्होंने नेत्र जांच एवं अस्थि रोग जांच व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर शिविर संचालन की गुणवत्ता परखी। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्र में नियमित एवं सुचारू रूप से डिलेवरी सेवाएं संचालित हों तथा चिकित्सक और स्टाफ केंद्र पर उपस्थित रहें, ताकि ग्रामीणों को समय पर उपचार मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एंटीवेनम, आयरन सिरप सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि उपलब्ध दवाओं का समय पर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि दवाएं उपलब्ध होने के बावजूद उपयोग न होने से मरीजों को अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के चक्कर न लगाना पड़े, जिससे उनकी स्थिति और अधिक गंभीर हो। इस दौरान ग्राम अजई निवासी रमेश कन्हैया ने दिव्यांगता कार्ड नहीं बनने की समस्या बताई, जिस पर कलेक्टर ने मेडिकल बोर्ड के माध्यम से शीघ्र दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के सभी विकासखंडों में प्रत्येक माह में एक बार मेडिकल बोर्ड आयोजित करने के निर्देश भी दिए, ताकि दिव्यांगजनों को सुविधा मिल सके। इसके बाद कलेक्टर ने ग्राम पंचायत चिरापाटला के सभाहॉल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए जनपद पंचायत एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तीन दिवस के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व से संचालित जल योजनाएं बंद न हों और सभी घरों तक नियमित पानी पहुंचे। निर्माणाधीन सड़क के कारण क्षतिग्रस्त हुई नल-जल योजना के निराकरण के निर्देश भी जनपद सीईओ को दिए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने स्वीकृत हैंडपंप कार्यों में बिना अनुमति स्थल परिवर्तन पर नाराजगी जताते हुए संबंधितों

सीएचओ एवं एएनएम का प्रशिक्षण आयोजित

श्योपुर/नवप्रदेश। नीति आयोग, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के क्रम में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद के निर्देशन में विकासखंड कराहल में स्वास्थ्य विभाग की सीएचओ एवं एएनएम का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य संकेतकों में प्रगति एवं समुदाय स्तर तक प्रभावी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करना रहा। जनपद पंचायत कराहल सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीईओ जनपद श्री राकेश शर्मा, मेडिकल कॉलेज से डॉ अंजना निरंजन, आकांक्षी विकासखंड फेलो सुश्री दीपांशी जादौन एवं ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर सुश्री वैशाली आदि उपस्थित रहें। जनपद सीईओ श्री राकेश शर्मा द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत 25 हितग्राहियों को मिलेगी अनुग्रह सहायता राशि — नपाध्यक्ष गेहलोत

नागदा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत आयोजित सिंगल क्लिक अनुग्रह सहायता योजना में नागदा क्षेत्र के 25 पात्र हितग्राहियों के परिवारों को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कर वितरित होने वाली हैं । सामान्य मृत्यु एवं दुर्घटना में मृत्यु के प्रकरणों में लाखों रुपये की सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित होने वाली हैं ।

योजना के तहत सामान्य मृत्यु प्रकरणों में ?2 लाख एवं दुर्घटना में मृत्यु प्रकरणों में ?4 लाख की सहायता राशि प्रदान की जाएगी । इस दौरान चेतनपुरा, पाल्या रोड, बंगाली कॉलोनी, आजादपुरा, विद्यानगर, इन्द्रपुरी कॉलोनी, श्रीराम कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों के हितग्राहियों को योजना का लाभ प्राप्त होगा ।

सहायता प्राप्त करने वाले प्रमुख हितग्राहियों में श्री शंकर लाल, श्रीमती राम कन्या बाई, श्री पुष्पेन्द्र जी, श्री मोहन जी, श्री रमेश चंद्र जी , श्री लाल सिंह जी , श्री गोपीलाल जी , श्री गोरधन जी, श्रीमती सुगन बाई, श्री विजय जी, श्री भगवान सेनी जी , श्री हेमंत जी, श्री राहुल चौहान जी , श्री रंजीव जी, श्री प्रेम प्रकाश जी , श्री दिनेश राका जी , श्रीमती संगीता परमार, श्री नरसिंह जी, श्री दशरथ जी, श्रीमती बबीता जी , श्री मोहम्मद हुसैन जी, श्री अशोक कुमार कावत जी , श्री मुकेश मंडल जी , श्री सुजी लाल जी एवं श्री संजय गुर्जर जी शामिल रहे।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद नागदा अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि असंगठित श्रमिक परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करना शासन की महत्वपूर्ण पहल है तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता में शामिल है। संभल योजना एक ऐसी योजना हैं जो घर के मुखिया की मृत्यु पर आश्रित परिवारजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती हैं, यह योजना संकट की घ?ी में आर्थिक सुरक्षा एवं सहायता प्रदान कर परिवार को मजबूती प्रदान करती हैं ।

गंगा दशहरा 25 को, रामेश्वर धाम पर होगा मुख्य कार्यक्रम

दीपदान, जल स्त्रोतों का पूजन एवं कलश यात्राओं का आयोजन होगा

स्कूल, कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों को बनाये पानी मित्र-डीएम

जिले के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश

श्योपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने निर्देश दिये कि गंगा दशहरा 25 मई के उपलक्ष्य में जिलेभर में दीपदान, जल स्त्रोतों का पूजन, कलश यात्राओं का आयोजन सहित वृक्षपूजन के कार्यक्रम आयोजित किये जायें। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संवाद कार्यक्रम तथा मानव श्रंखलाओं के आयोजन के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण से जोडा जायें। इसके साथ ही जल प्याऊ की स्थापना करते हुए पक्षियों के लिए सकोरे लगाने का कार्य भी किया जायें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति प्रेरक के रूप में अपनी भूमिका निभाने के उद्देश्य से स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों को पानी मित्र बनाया जायें। वे आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर रही थी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य, ईई पीएचई श्री एलपी सिंह, ईई जल संसाधन श्री चैतन्य चौहान, उप संचालक कृषि श्री जीके पचौरिया, महिला बाल विकास अधिकारी श्री महेन्द्र कुमार अम्ब, सीईओ जनपद श्री एसएस भटनागर, परियोजना अधिकारी मनरेगा श्री विक्रम जाट, डीपीसी श्री भूपेन्द्र शर्मा, श्री आदित्य चौहान सहित उद्यानिकी, वन विभाग आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में 25 मई को रामेश्वर धाम त्रिवेणी संगम पर सांध्यकालीन समय में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसके लिए व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की जायें, उन्होंने निर्देश दिये कि कलश यात्रा आयोजन के साथ ही भजन संध्या का आयोजन सुनिश्चित किया जायें तथा पवित्र त्रिवेणी संगम घाट पर दीपदान की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। इसके साथ ही घाट को रंगोली के माध्यम से आकर्षक बनाया जायें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि नगरपालिका द्वारा सीप नदी के पंडित घाट पर, बडौदा में चन्द्रसागर तालाब पर तथा विजयपुर में क्वारी नदी पर मुख्य रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जायें। इसके साथ ही आवदा डैम, निमोदामठ आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जायें। उन्होंने कहा कि जिले के सभी जलस्त्रोतों, प्राचीन बावडियों, कुओं तथा नलजल योजनाओं आदि पर पूजन एवं कलश यात्रा के आयोजन किये जायें।

न्यूज गैलरी

भोपाल के करोंद में बिल्डिंग में आग : केएफसी आउटलेट के पास उठीं आग की लपटें; एसी और फर्नीचर जला

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के करोंद स्थित एक चार मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर में बुधवार को आग लग गई। इस बिल्डिंग में केएफसी आउटलेट है। इसके ठीक पास में लगे एयर कंडिशनर समेत फर्नीचर जल गया। आग की वजह से इलाके में हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी के माहौल के बीच आग पर काबू पाया गया। इससे कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपए का नुकसान हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के दौरान बिल्डिंग में भीड़ नहीं थी। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया। प्रशासन नुकसान का आंकलन लगा रहा है। नगर निगम के फायर प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि बिल्डिंग में क्रोमा का इलेक्ट्रॉनिक शोरूम है। इसके पास में रखे जनरेटर में आग लगी थी। इस वजह से कई एसी भी जल गए। जहां आग लगी थी, वहां पर केएफसी का आउटलेट भी है। हालांकि, उसे नुकसान नहीं पहुंचा। आग की वजह जनरेटर में शार्ट सर्किट होने को बताया जा रहा है। आग लगने की जानकारी मिलते ही पास में पीपुल्स हॉस्पिटल की फायर ब्रिगेड पहुंची और उसे बुझाने लगी। इसी दौरान नगर निगम की दमकल भी आ गई। दोनों ने मिलकर आग को काबू में लिया। इस वजह से आग ज्यादा नहीं फैली। करोंद में पीपुल्स हॉस्पिटल के सामने स्थित यह बिल्डिंग है। अचानक लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और दूर तक फैलता काला धुआं देखकर इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। इससे मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। निशातपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

4 दिन की खुदाई : सूखी पहाड़ी पर फिर फूटा पानी

भोपाल के पास बेतवा उद्गम क्षेत्र में मिला 'पार्वती कुंड'; सफाई करते ही भरने लगा जल

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के पास ग्राम झिरी स्थित बेतवा नदी के सूखे उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने के लिए 10 मई से शुरू हुए श्रमदान अभियान के चौथे दिन बुधवार को श्रमदानियों को पहाड़ी पर एक प्राचीन प्राकृतिक जलस्रोत मिला। इसे पार्वती कुंड नाम दिया गया है। जैसे ही श्रमदानियों ने मिट्टी और पत्थर हटाकर कुंड की सफाई शुरू की, अंदर से पानी की झिर फूट पड़ी। देखते ही देखते वर्षों से सूखा पड़ा कुंड पानी से भरने लगा। वहां मौजूद लोगों ने इसे किसी चमत्कार जैसा बताया। करीब 3 घंटे तक लगातार हाथों से खुदाई कर छह फीट गहरे और सात फीट चौड़े कुंड को फिर जीवित किया गया। बाद में तीन किलोमीटर दूर से फावड़ा और तगाड़ी मंगवाई गई। इसके बाद पास का दूसरा छोटा कुंड भी पानी छोड़ने लगा। अभियान से जुड़े लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम के वीडियो भी रिकॉर्ड किए हैं। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि जैसे-जैसे मिट्टी हटती है, कुंड के भीतर से पानी रिसना शुरू हो जाता है। कुछ ही देर में कुंड का तल पानी से भर जाता है और वहां मौजूद श्रमदानी खुशी से झूम उठते हैं।

जैसे वर्षों से पानी बाहर आने का इंतजार कर रहा था

मप्रविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद से जुड़े विशेषज्ञों ने मौके पर जलधारा की संरचना का अध्ययन भी किया। उनका कहना है कि यह प्राकृतिक जलस्रोत लंबे समय से मिट्टी और पत्थरों के नीचे दब गया था। सफाई और जलनिकासी मार्ग खुलते ही पानी फिर सतह पर आ गया। श्रमदानियों का कहना है कि कुंड के आसपास जैव विविधता के संकेत भी मिले हैं। उनका मानना है कि बारिश के मौसम में यह जलस्रोत आसपास के वन्यजीवों के लिए भी सहारा बन सकता है।

4 दिन से लगातार चल रहा श्रमदान

बेतवा उद्गम क्षेत्र के झिरी इलाके में 10 मई से श्रमदान सप्ताह चल रहा है। हर दिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक लोग पहाड़ी क्षेत्र में चेक डैम बना रहे हैं और पुराने जलस्रोतों की सफाई कर रहे हैं। अब तक पांच नए चेक डैम बनाए जा चुके हैं, जबकि पिछले साल बने कई चेक डैम की मरम्मत भी की गई है। इस अभियान में भोपाल, विदिशा और इंदौर से आए पर्यावरण प्रेमी, वैज्ञानिक, पूर्व अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण शामिल हो रहे हैं। उद्गम क्षेत्र के पुजारी गोपाल दास ने भावुक होकर श्रमदानियों की तुलना भगीरथ से की। उनका कहना था कि जो कुंड कई वर्षों से पूरी तरह सूख चुका था, उसमें फिर पानी देखना किसी तपस्या के फल जैसा है। श्रमदान अभियान 16 मई तक जारी रहेगा। आयोजकों का कहना है कि उनका लक्ष्य सिर्फ एक कुंड भरना नहीं, बल्कि बेतवा नदी के उद्गम क्षेत्र को फिर से जीवित करना है।

भोपाल में ट्रेन से टकराकर युवक की मौत : मां ने पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के रचना नगर अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान अशोक बामने निवासी गौतम नगर जनता क्वार्टर के रूप में हुई है। बुधवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना गोविंदपुरा थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की मां कृष्णा बामने ने पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि रात में किसी लड़की को लेकर पड़ोसी से विवाद हुआ था। उस समय अशोक नशे की हालत में था। आरोप है कि पड़ोसी मंगलवार रात में घर में घुस आया और चारों बेटों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की।

सामाजिक परिवर्तन के वाहक बनें विश्वविद्यालय : मंत्री परमार

विद्यार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों की डिजिलॉकर में उपलब्धता और स्वयं पोर्टल पर पंजीयन करें सुनिश्चित

निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग में, एनएडी-डिजिलॉकर एवं स्वयं पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

भोपाल/नवप्रदेश। विद्यार्थियों का सर्वांगीण हित, हमारी प्राथमिकता है। विद्यार्थियों को सरलता और सुलभता से सुविधाएं उपलब्ध हो, इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। समस्त विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों की अंकसूची, उपाधि एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों की डिजिलॉकर में उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित, प्रमाणित एवं सरल डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल सके। साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी का स्वयं पोर्टल पर पंजीयन कराते हुए उन्हें उपलब्ध पाठ्यक्रमों में रुचि एवं आवश्यकता अनुसार चयन के लिए प्रेरित कर, शैक्षणिक उन्नयन से जोड़ा जाए। विश्वविद्यालयों के कार्यों का प्रभाव, सामाजिक परिवर्तन की अभिप्रेरणा बने। विश्वविद्यालय, सामाजिक परिवर्तन के वाहक बनें। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के सभागार में, (एनएडी-डिजिलॉकर) एवं स्वयं पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन÷ विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने एनएडी-डिजिलॉकर एवं स्वयं पोर्टल के क्रियान्वयन में, देश भर में प्रदेश की वर्तमान स्थिति पर संतोष व्यक्त किया एवं देश भर में प्रदेश को अग्रणी बनाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के यशस्वी नेतृत्व में, हमारा प्रदेश उच्च शिक्षा को आधुनिक, नवाचारयुक्त, पारदर्शी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य हर विद्यार्थी तक सरल, सुरक्षित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में, यह एक महत्वपूर्ण पहल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, नई शिक्षा व्यवस्था में तकनीक केवल सुविधा का ही माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का सशक्त आधार है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी डिजिटल रूप से सक्षम, ज्ञानसम्पन्न एवं वैश्विक अवसरों के लिए तैयार बने। विश्वविद्यालयों में परीक्षा एवं परिणाम को पारदर्शितापूर्ण बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। डिजिटल मूल्यांकन पद्धति से परीक्षा एवं परिणाम की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थी को संवेदनशील एवं श्रेष्ठ नागरिक बनाना, विश्वविद्यालयों का दायित्व है। इसके लिए राष्ट्रहित एवं समाज हित में संस्कार रोपित करने की आवश्यकता हैं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि शिक्षकों के आचरण को विद्यार्थी आत्मसात करते हैं, इसलिए शिक्षण व्यावहारिक होना चाहिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए, भारतीय दृष्टि के साथ शैक्षणिक परिदृश्य सृजन करना होगा।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तकनीक आधारित शिक्षण, डिजिटल गवर्नेंस एवं गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देना, हमारी प्राथमिकताओं में समाहित है। एनएडी-डिजिलॉकर के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज सुरक्षित, प्रमाणित एवं डिजिटल रूप में सहज उपलब्ध होंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी तथा समय और संसाधनों की बचत होगी। एनएडी-डिजिलॉकर, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता को सुदृढ़ बना रहा है। वहीं (स्वयं) पोर्टल, युवाओं को देश के श्रेष्ठ शिक्षकों एवं संस्थानों से ऑनलाइन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय, छात्र हित को प्राथमिकता देते हुए एनएडी-डिजिलॉकर एवं स्वयं पोर्टल का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें जिससे विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

भोपाल शहर में संपर्क अभियान 2026' के तहत होगा बिजली संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संपर्क अभियान 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत 14 मई को शहर वृत्त भोपाल अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान करना और उन्हें बिजली संबंधित विभिन्न सेवाओं और योजनाओं की जानकारी देना है। संपर्क अभियान के दौरान आयोजित किये जाने वाले शिविरों में उपभोक्ताओं को त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग और अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाएगा। साथ ही मात्र 5 रुपये में नवीन ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पम्प कनेक्शन प्रदान किये जाएंगे साथ ही भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थाई कनेक्शन विच्छेदन, अस्थायी कनेक्शन, ई-केवायसी और अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ह्हृष्ट), बंद/खराब मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतें, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज की समस्या और ट्रांसफार्मर से जु?ी शिकायतों, बिजली बिलों का आंशिक एवं पूर्ण भुगतान, अग्रिम भुगतान पर छूट, बकाया राशि भुगतान, समाधान योजना तथा अन्य जनहितैषी योजनाओं की जानकारी और लाभ प्रदान करने की सुविधाएं मिलेंगी।

केन-बेतवा के प्रभावितों से मिलेंगे राहुल गांधी : जीतू पटवारी बोले- नदी जोड़ो प्रोजेक्ट का ठेका लेने वाली कंपनी ही बना रही बीजेपी ऑफिस

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि परियोजना के नाम पर हजारों आदिवासी परिवारों को बिना उचित मुआवजे के विस्थापित किया जा रहा है। पटवारी ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस परियोजना से प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे। संभवतः इसी महीने उनका कार्यक्रम बन सकता है। पटवारी ने बुंदेलखंड दौरे के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि 11 मई को पन्ना में उन्होंने आंदोलनरत विस्थापित परिवारों से मुलाकात की और पन्ना जेल में बंद किसानों व आंदोलनकारियों की समस्याओं को लेकर प्रशासन से चर्चा की। 12 मई को छतरपुर में प्रशासन ने उन्हें प्रभावित परिवारों से मिलने से रोकने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस के दबाव के बाद प्रशासन को पीछे हटना पड़ा। जीतू पटवारी ने कहा, ÷राहुल गांधी ने स्वयं मुझे प्रभावित आदिवासी परिवारों के बीच भेजा था। कांग्रेस पार्टी इस संघर्ष में पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है।÷ पटवारी ने आरोप लगाया कि परियोजना प्रभावित क्षेत्र में लोगों को न तो घर का उचित मूल्य मिला, न जमीन का और न ही पेड़-पौधों का उचित मुआवजा। उन्होंने कहा कि वर्षों पहले तय की गई मुआवजा राशि अब पूरी तरह मूल्यहीन हो चुकी है। जिन बच्चों के माता-पिता उस समय नाबालिग थे, उन्हें पुनर्वास और मुआवजे के अधिकार से बाहर रख दिया गया। आज वे परिवार अत्यधिक गरीबी और असुरक्षा में जीने को मजबूर हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सबसे बड़ा आरोप नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी पर लगाया, जिसे केन-बेतवा परियोजना का ठेका मिला है। पटवारी ने कहा कि वही कंपनी भोपाल में भाजपा का प्रदेश कार्यालय भी बना रही है। उन्होंने इसे कमीशन, भ्रष्टाचार और राजनीतिक संरक्षण से जोड़ते हुए कहा, यदि भाजपा चाहे तो हम किसी भी मंच पर दस्तावेजों के साथ इस विषय पर बहस करने को तैयार हैं।

राज्यमंत्री गौर ने निर्माण कार्यों में लापरवाही पर जताई नाराजगी

31 मई तक 107 छात्रावासों में किचन निर्माण पूर्ण करने के दिए निर्देश

15 मई से शुरू होगी शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना, कोचिंग अध्ययन छात्रवृत्ति योजना की टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी करने के दिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंत्रालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में टेंडर प्रक्रिया और निर्माण कार्यों में हो रही लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में छात्रावासों में मेस संचालन और किचन निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण एजेंसी, ठेकेदारों और विभाग के समन्वय की कमी के चलते योजनाओं में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 31 मई तक किचन निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुए, तो संबंधित अधिकारियों पर सीधे तौर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

15 मई से शुरू होगी शौर्य संकल्प योजना

राज्यमंत्री ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अहम योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि %शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026% की शुरुआत 15 मई से की जाएगी। इसके तहत 4000 युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य सैन्य बलों में भर्ती के लिए निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, सरदार पटेल कोचिंग अध्ययन छात्रवृत्ति योजना की टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए, जिससे जल्द से जल्द छात्र-छात्राओं को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा पाने का लाभ मिल सके। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि 31 चयनित कन्या छात्रावासों को आदर्श छात्रावास बनाने से संबंधित सभी निर्माण कार्य 30 जून तक पूर्ण करने और रिक्त सीटों को जल्द भरने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए 36 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने चयनित छात्रों की राशि जल्द जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 जून तक पोर्टल में बदलाव कर ऐसा सिस्टम बनाएं जिससे विद्यार्थी सालभर (रोलिंग आधार पर) आवेदन कर सकें। उन्होंने दिल्ली छात्रगृह योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा, जिससे दिल्ली के संस्थानों में पढ़ रहे प्रदेश के अधिक से अधिक ओबीसी विद्यार्थी 10 हजार रुपये प्रतिमाह सहायता का लाभ उठा सकें। विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए श्रीमती गौर ने कहा कि विभाग द्वारा कराया जा रहा सर्वे आने वाले वक्त में सुखद परिणाम देगा।

एमपी के निगम-मंडलों की नियुक्तियों पर फिलहाल विराम

खंडेलवाल बोले- अब कुछ दिन विश्राम दीजिए, अगला दौर आएगा

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने विधानसभा चुनाव से ढाई साल पहले ही निगम, मंडल, बोर्ड, आयोग और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू कर दिया था। अब तक करीब 70 नेताओं को विभिन्न पदों पर एडजस्ट किया जा चुका है। हालांकि, अब इन नियुक्तियों पर फिलहाल विराम लग गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने खुद इस बात के संकेत दिए हैं।

बाल आयोग में सदस्यों में इनके नाम शामिल

मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग में डॉ निवेदिता शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है। लेकिन अभी सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी नहीं हुए हैं। बीजेपी की प्रदेश उपाध्यक्ष रहीं सीमा सिंह जादौन, सोनम निनामा, अर्चना गुप्ता, और अमरवा?ा से बीजेपी की विधानसभा प्रत्याशी रहीं मोनिका बट्टी के नाम बाल संरक्षण आयोग के सदस्य के रूप में लगभग तय हो चुके हैं।

इंदौर-भोपाल के प्राधिकरणों में नहीं हो पा रहे नाम तय

ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन विकास प्राधिकरणों में नियुक्तियां हो चुकी हैं। लेकिन भोपाल, इंदौर, खजुराहो, ओरछा विकास प्राधिकरण सहित आधा दर्जन से ज्यादा प्राधिकरणों में नियुक्तियां नहीं हो पा रहीं हैं। भोपाल विकास प्राधिकरण की रेस में शामिल चेतन सिंह का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस ऑडियो में हुई बातों को लेकर प्रदेश संगठन से उनपर पार्टी विरोधी काम करने की शिकायतें की गई हैं। जो निगम, मंडल,बोर्ड, प्राधिकरण खाली पड़े हैं। उनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों को मिलाकर करीब 150 से ज्यादा नेता एडजस्ट हो सकते हैं। अध्यक्ष के साथ एक से दो उपाध्यक्ष और 3 से 6 सदस्य नियुक्त किए जाने हैं।

परिणामोन्मुखी चाइल्ड बजटिंग कार्यशाला में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विभागीय समन्वय पर दिया जोर

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विकसित मध्यप्रदेश @2047 की आधारशिला : मंत्री भूरिया

भोपाल/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि मध्यप्रदेश के बच्चों का सर्वांगीण विकास ही राज्य के सतत और समावेशी विकास की आधारशिला बनेगी। मंत्री सुश्री भूरिया बुधवार को होटल कोर्टयार्ड मैरियट में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चाइल्ड बजटिंग इन मध्यप्रदेश विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। मंत्री भूरिया ने बताया कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दिखती है। उन्होंने मुख्य वित्तीय प्रावधानों को साझा करते हुए कहा कि बजट में इस वर्ष 26 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि की गई है।स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में 23 हजार 747 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें पोषण 2.0 जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। राज्य के कुल व्यय का 13.7 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर व्यय के लिये आवंटित किया गया है।

मंत्री भूरिया ने स्पष्ट किया कि बच्चों का विकास केवल संबंधित बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा चाइल्ड बजट स्टेटमेंट में अब 19 विभागों को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य और सामाजिक न्याय जैसे सभी विभागों को एक निर्धारित लक्ष्य अनुसार मिलकर काम करना होगा। विभागों के बीच जब बेहतर समन्वय होगा, तभी बजट का वास्तविक लाभ धरातल पर दिखेगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने प्रदेश के 55 जिलों की विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि हर जिले में बच्चों की आवश्यकताएं अलग हो सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्थानीय आवश्यकताओं को समझें और उसी के अनुरूप कार्य योजना बनाएं। महिला एवं बाल विकास आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कि राज्य की लगभग 40 प्रतिशत आबादी 3 करोड़ बच्चे हैं। उन्होंने कहा कि चाइल्ड बजट की रिपोर्टिंग को अधिक वैज्ञानिक और पारदर्शी बनाना अनिवार्य है।विभागों को केवल आंकड़ों पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों पर ध्यान देना होगा कि उनकी योजनाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक कैसे पहुँच रहा है। यूनिसेफ मध्यप्रदेश के चीफ फील्ड स्टॉफ, श्री विलियम हैनलोन ने कहा कि मध्यप्रदेश चाइल्ड बजटिंग के 5 सफल वर्ष पूरे कर चुका है और यह केवल खर्च की रिपोर्टिंग से आगे बढ़कर परिणाम-आधारित बजटिंग की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश की अधिकांश जनजातीय आबादी को देखते हुए बजट में लिंग और भौगोलिक स्थिति के आधार पर समानता का ध्यान रखा जाना चाहिए।

सुविचार

आज के दौर में बिना मतलब तो कोई किसी से बात भी नहीं करता ऐसे में कोई साथ क्या देगा, इसलिए किसी से ज्यादा उम्मीद न करें

मिडिल ईस्ट में फिर जंग के हालात

अमेरिका ने ईरान के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के माध्यम से भेजे गये प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्होंने ईरान के प्रतिनिधियों का प्रस्ताव पढ़ा है जो मुझे पसंद नहीं आया है। इसी के साथ अब मिडिल ईस्ट में शांति की आखिरी उम्मीद भी टूटती नजर आ रही है और वहां फिर से युद्ध के हालात निर्मित हो रहे हैं। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम अभी भी जारी है और पकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत भी हो रही है लेकिन परमाणु कार्यक्रम की शर्तों को लेकर पेंच फंसा हुआ है जिसपर सहमति कायम नहीं हो पा रही है। न तो ईरान अमेरिका की शर्त को कबूल करने के लिए राजी है और न ही अमेरिका अपनी शर्त से पीछे हटने को तैयार है। यही वजह है कि 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध विराम के भी टूटने की आशंका पैदा हो गई है। अमेरिका और ईरान के बीच यदि युद्ध होता है तो जाहिर है कि इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा अभी भी होर्मूज पर ईरान की नाकेबंदी के कारण दुनिया के अनेक देशों में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है और पेट्रोल व डीजल के दाम आसमान छु रहे हैं। रसोई गैस का संकट भी लगातार गहराता जा रहा है। अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्ताव को ठुकरा देने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर आग लग गई है। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में चार प्रतिशत तक की वृद्धि हो गई है। यह दाम और बढ़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में भारत सहित एशिया और यूरोप के कई देशों में पेट्रोल व डीजल का संकट विकराल रूप धारण कर सकता है। इसी आशंका के मद्देनजर कई देशों ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने के लिए कई तरह के प्रतिबंध लगाएं हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल व डीजल का कम से कम उपयोग करने की और निजी वाहनों की जगह पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने की अपील की है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर सहमति नहीं बनती तो निश्चित रूप से एक बार फिर मिडिल ईस्ट जंग की आग में झुलसेगा और इसका गंभीर दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। यह संभावित जंग कितनी लंबी चलेगी इसका कोई अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता। ईरान भी आखिरी दम तक जंग लड़ने के लिए तैयार है। ईधर अमेरिका भी लगातार ईरान को अपनी शर्तें कबूल करने के लिए धमकी दे रहा है जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं और जंग की नौबत आ सकती है।

वस्तुओं के दाम बांधने प्रभावी पहल जरूरी

मिडिल ईस्ट में छाये युद्ध के बादल की वजह से पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की किल्लत भारत में भी महसूस की जा रही है हालांकि अभी हालात काबू में है लेकिन कमर्शियल गैस की कीमतों में सरकार को एक हजार रूपये प्रति सिलेन्डर की वृद्धि करनी पड़ी है। इसका असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने लगा है। आवश्यक वस्तुओं के दामों में वृद्धि हो रही है। खासतौर पर खाने पीने के समान महंगे हो रहे हैं। अधिकांश होटलों में कमर्शियल गैस का ही उपयोग होता है इसलिए वे खाने पीने की वस्तुओं के दाम मनमाने ढंग से बढ़ाने लगे हैं। यदि उपभोक्ता उनकी इस मनमानी का विरोध करता है तो वे कमर्शियल गैस के दाम में हुई बढ़ौत्तरी का हवाला देते हैं जिन छोटे होटलों में रसोई गैस का इस्तेमाल नहीं होता और वे तंदूर में कोयले व लकड़ी का उपयोग कर भोजन बनाते हैं उन्होंने भी खाने पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ा दिये हैं। इसलिए शासन प्रशासन को चाहिए कि इनकी मनमानी पर रोक लगाने प्रभावी पहल करे। ताकि कमर्शियल गैस सिलेन्डर महंगे होने की आड़ में आम उपभोक्ताओं के साथ की जा रही लूटमार बंद हो। गौरतलब है कि बहुत बड़ी संख्या में लोग नाश्ते और भोजन के लिए होटलों पर ही निर्भर होते हैं ऐसे लोगों को खाने पीने की चीजों सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। निकट भविष्य में पेट्रोल और डीजल के दाम में भी वृद्धि हो सकती है और यदि ऐसा हुआ तो महंगाई और ज्यादा बढ़ेगी। और इसकी वजह से आम आदमी का घरेलू बजट गड़बड़ा जाएगा । ऐसा न हो इसके लिए आवश्यक वस्तुओं के दाम बांधना निहायत जरूरी है।

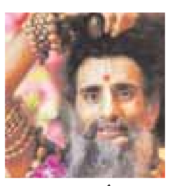

सदगुरू ऋतेश्वर

सद्गुरू बोधामृतम्

◆ बंधुओं !! अपने जीवन में परिवेश बड़ा सुंदर रखना। सुंदर हरे-भरे लोग और हरा-भरा कौन है? जो हरे-हरे करता है; हरे कृष्ण, हरे कृष्ण वाले 'हरे' हैं। 'हरे कृष्ण' से जुड़े हुए, 'हरे राम' से जुड़े हुए लोग हरे-हरे हैं, बाकी सब सूखे हैं।

◆ भगवान श्री रामचंद्र का जीवन कितना पवित्र है क्योंकि इनके जीवन का हर काम गुरु की आज्ञा से होता है। ठाकुर जी एक कदम बढ़ावें तो पहले गुरु की आज्ञा लेवें।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1610 - फ्रांस में हेनरी IV की हत्या और लुईस XIII फ्रांस की गद्दी पर बैठा। 1702 इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस और स्पेन के खिलाफ़ युद्ध की घोषणा की। 1908 पहली बार किसी व्यक्ति ने हवाई जहाज में उड़ान भरी। 1941 36000 परशियन यहूदी को गिरफ्तार किया गया। 1948 - इजराइल ने अपनी आजादी की घोषणा की। 1981 नासा ने स्पेश व्हिकल S-192 लांच किया। 1984 फेसबुक के जनक मार्क एलियट ज़ुकरबर्ग का जन्म 14 मई को 1984 को अमेरिका में हुआ था। 1992 भारत ने तमिल टाइगर्स के नाम से मशहूर श्रीलंकाई विद्रोही संगठन एलटीटीई पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत के अतिरिक्त कई अन्य देशों ने भी तमिल टाइगर्स पर प्रतिबंध लगाया। 1999 पाकिस्तानी पत्रकार जनम सेठी की पत्रिका फ़्राइडे टाइम्स की जब्ती, सदी का आखिरी विश्व कप क्रिकेट की लॉर्ड्स में शुरुआत। 2004 डेली मिरर नामक पत्रिका ने ईराक में युद्धबंदियों पर कथित अत्याचार को दर्शाने वाली झूठी तस्वीरों के प्रकाशन के लिए ब्रिटेन से माफी मांगी।

परिवार है तो आप हैं

हमारा महान भारत भाव, रस और ताल से मिलकर बना ऐसा धार्मिक देश है जहां भावना ही जीवन का सबसे प्रबल प्रवाह है। हमारे देश की राजनैतिक, सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था में धर्म एक बेहद महत्वपूर्ण आधार है। लिहाज़ा यहां इंसानों की भावनाओं की काफी कद्र की जाती है। अथर्ववेद में पृथ्वी को माता की संज्ञा दी गई है। तभी तो यह प्राचीन और अर्वाचीन हमारा देश भारत सत्य सनातन की परम्परा पर चलता हुआ वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा को शिरोधार्य करता हुआ समूची दुनिया को अपना परिवार मानता है।

बृजमोहन अग्रवाल
सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़

जब हम सारी दुनिया को परिवार मान लेते हैं तो ऐसे में हमारी सामाजिक व्यवस्था का आधार यानी हम सभी का अपना खुद का परिवार हमारे लिए सबसे अहम स्वतः सिद्ध हो जाता है। मेरी नजर में परिवार यानी सगे सम्बन्धी सुख- दुःख के साथी आपसी मेल जोल और कार्य व्यवहार के साथ सामाजिक संबल भी हो जाते हैं। और इसलिए ही सामाजिक प्राणी हम मनुष्यों के लिए परिवार जीवन की सबसे अहम कड़ी है। कितना भी कठिन काम मनुष्य अपनों की शाबाशी के साथ संपन्न कर डालता है। विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में आदमी अपनों का साथ पाकर मजबूत बना रहता है। मित्रों हम सभी धर्म प्रयाण देश भारत में रहते हैं,जहां इंसानों की भावनाओं को मान सम्मान देते हुए हम सबसे पहले परिवार की सामाजिक धुरी यानी मनुष्यों के विवाह को एक संस्कार का दर्जा देते हैं और इसी की वज़ह से हमारे लिए परिवार एक धर्म, एक शक्ति, एक संचेतना का एक सार्वभौम सहारा स्वरूप मूर्त आकार ले लेता है। जबकि पाश्चात्य देशों में हमसे ठीक उलट विवाह महज एक कांट्रेक्ट माना जाता है लिहाज़ा उनके लिए परिवार, समाज और संसार एक बेमानी चीज़ हो जाती है बस महज यही एक अन्तर हमारे प्यारे और न्यारे न्यारे भावुक देश को मानवीय धर्म, संस्कृति और सभ्यता का सबसे सजग प्रहरी की संज्ञा दिला देता है। ऐसे भावुक संस्कार अपने भारत देश को मानवता का एक तेज़ प्रताप पुंज स्वतः समूची दुनिया के सामने सिद्ध करते जा रहे हैं। धर्म का हमारे यहां सबसे बड़ा स्थान है। धर्म के साथ साथ हम सबसे पहले आपस की भावनाओं को प्रमुखता से लेते हैं और यह भावनाएं ही हमें एक दूसरे से जोड़ती हैं। परिवार हमारी इसी भावनाओं का एक सामूहिक संगठित रूप होता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस 15 मई विशेष

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस हर साल 15 मई को दुनिया भर में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य परिवारों के महत्व, उनके सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक योगदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1993 में घोषित, यह दिवस परिवारों के सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा का मंच प्रदान करता है। दुनिया भर में परिवारों के महत्व को उजागर करना और परिवार-केंद्रित नीतियों को बढ़ावा देता है।

परिवार मतलब शक्ति, परिवार मतलब संस्कार, परिवार मतलब भावना सहयोग की भावना और इसी भावना से हम एक दूसरे को देखते हुए आपस के संबल को बढ़ाते हुए अपने जीवन को आगे मुक्ति की ओर ले जाते हुए सबको सुख देते हुए सबको शांति देने की कोशिश करते हैं। क्योंकि सुख और शांति ही जीवन का सबसे अहम सार है। भारतीय संस्कृति के सबसे अहम स्त्रोत वेदों में परिवार की महत्ता का बेहद संजीदा वर्णन है। ऋग्वेद में सहयोग, संवाद और एकजुट संकल्प के महत्व पर बल दिया गया है। यह बताता है कि समाज की प्रगति तभी संभव है, जब लोग विभाजन के बजाय एक समुदाय के रूप में एक साथ सोचें और एक ही उद्देश्य के लिए कार्य करें। ठीक उसी प्रकार जैसे प्राचीन ऋषि और देवता मिलकर कार्य करते थे और सुख शांति प्राप्त करते थे। इसी परिपाटी को हम सभी आगे बढ़ाते हुए भारतीय परंपरा में मानव बंधुत्व को केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक और नैतिक अनिवार्य तत्व मानते हैं। इसमें यह विश्वास समाया है कि समस्त मानवता एक ही मूल से उत्पन्न हुई है और एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वह है सभी को सुख देते हुए सभी को शांति की ओर प्रवहित करना। हम सभी में ऐसे भाव पैदा करने वाले परिवार शब्द का सटीक अर्थ है कि आपस में मिलकर चलो, एक साथ बोलो और अपने मन मस्तिष्क को एक समान बनाते हुए अधिक से अधिक मजबूत बनाओ। हमारे देश में परिवार की इस अवधारणा से सामाजिक समरसता और संसाधनों पर सबके समान अधिकार की बात को बल मिलता है। जिससे आगे हमें जीवन पथ पर नित दिन नई सीख मिलती जाती है कि मनुष्यों को एक-दूसरे से प्रेम ही करना चाहिए। हमारे वेद स्पष्ट करते हैं कि मानव बंधुत्व के लिए संसाधनों का साझा होना आवश्यक है। इस प्रकार वेदों में दिए गए समानता के उपदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति जन्म से ऊंचा या नीचा नहीं है। सच्चे लोकतंत्र की पहचान यही है कि वैचारिक मतभेद के बावजूद लक्ष्य जनकल्याण होना चाहिये। जब हम दूसरे को मित्र की दृष्टि से देखते हैं, तो संघर्ष की संभावना समाप्त हो जाती है। और ऐसी सार्वभौम प्रेम भावना का आधार आदमी का अपना स्वयं का परिवार होता है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर मैं ईश्वर,से प्रार्थना करता हूं कि देश के सभी मेरे गणमान्य नागरिकों के हृदय, मन मस्तिष्क में अपने परिवार के सदस्यों के साथ साथ समस्त संसार के लिए भी आपसी प्रेम भावना का सार्वभौम स्वरूप हर दिन नित नई उमंगों के साथ बहुआयामी आकार लेता रहे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

अंतरिक्ष से आई 'संगीत' जैसी लहरें

महेन्द्र तिवारी

मानव सभ्यता ने सदियों तक आकाश को केवल चमकते तारों की दुनिया माना। कभी उसे देवताओं का निवास कहा गया, कभी भाग्य का दर्पण और कभी अनंत रहस्यों का महासागर। लेकिन विज्ञान ने जब दूरबीनों और रेडियो उपकरणों की सहायता से अंतरिक्ष को सुनना शुरू किया, तब पता चला कि ब्रह्मांड केवल दृश्य संसार नहीं है, बल्कि वह लगातार संकेतों, तरंगों और अदृश्य कंपन से भरा हुआ है। हाल के वर्षों में खगोलविदों ने ऐसी अनेक रेडियो तरंगें पकड़ी हैं, जिन्होंने वैज्ञानिकों को चौंका दिया। अब एक बार फिर अंतरिक्ष से आने वाली एक रहस्यमयी रेडियो लहर चर्चा में है। इस संकेत में एक निश्चित लय है, जो सुनने में किसी तबले की थाप जैसी प्रतीत होती है। वैज्ञानिक इसे किसी न्यूट्रॉन तारे की गतिविधि से जोड़ रहे हैं, जबकि सामान्य लोग इसे "ब्रह्मांड का संगीत" कहकर रोमांचित हो रहे हैं।

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्यतः अंतरिक्ष को मौन माना जाता है। वास्तव में अंतरिक्ष में ध्वनि वैसे नहीं फैलती जैसे पृथ्वी के वातावरण में फैलती है, क्योंकि वहाँ हवा नहीं होती। लेकिन रेडियो तरंगें अंतरिक्ष में बहुत आसानी से यात्रा करती हैं। वैज्ञानिक इन रेडियो तरंगों को विशेष उपकरणों की सहायता से पकड़ते हैं और फिर उन्हें श्रव्य रूप में परिवर्तित करते हैं। जब यह परिवर्तन किया जाता है तो कई बार इन संकेतों में लय, ताल और दोहराव सुनाई देता है। यही कारण है कि लोग उन्हें संगीत जैसा अनुभव करने लगते हैं। जिस संकेत की चर्चा हो रही है, उसमें कुछ मिनटों या घंटों के अंतराल पर नियमित धड़कन जैसी तरंगें दर्ज की गई हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह किसी अत्यंत घने मृत तारे से आ सकती हैं। ऐसे तारों को न्यूट्रॉन तारा कहा जाता है। जब कोई विशाल तारा अपने जीवन के अंतिम चरण में विस्फोट करता है, तब उसके केंद्र का भाग अत्यधिक संकुचित होकर न्यूट्रॉन तारे में बदल जाता है। इन तारों का आकार बहुत छोटा होता है, लेकिन उनका घनत्व इतना अधिक होता है कि एक चम्मच पदार्थ का भार करोड़ों टन तक हो सकता है। न्यूट्रॉन तारे अत्यंत तीव्र गति से घूमते हैं। कई तारे प्रति सेकंड कई बार घूम सकते हैं। जब उनके चुंबकीय ध्रुवों से रेडियो तरंगें निकलती हैं और वे पृथ्वी की दिशा में आती हैं, तब हमें वे नियमित अंतराल पर दिखाई देती हैं। इस प्रक्रिया को समझाने के लिए वैज्ञानिक अक्सर प्रकाश स्तंभ का उदाहरण देते हैं। जैसे समुद्र में खड़ा प्रकाश स्तंभ घूमते हुए समय समय पर जहाजों की दिशा में प्रकाश भेजता है, उसी प्रकार न्यूट्रॉन तारा भी घूमते हुए पृथ्वी की ओर रेडियो संकेत भेजता है। इन्हें पल्सर कहा जाता है। अब तक वैज्ञानिकों ने 3000 से अधिक पल्सर खोजे हैं, लेकिन हाल की खोजों ने पुराने सिद्धांतों को चुनौती दी है। कुछ संकेत ऐसे मिले हैं जिनकी धड़कनें बहुत धीमी हैं। एक संकेत हर 22 मिनट में दोहराता पाया गया, जबकि एक अन्य स्त्रोत लगभग 54 मिनट बाद सक्रिय होता था। इतना ही नहीं, 2025 में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे न्यूट्रॉन तारे का संकेत दर्ज किया जिसकी घूर्णन अवधि लगभग 6.45 घंटे थी। यह खोज वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत आश्चर्यजनक थी क्योंकि पुराने सिद्धांतों के अनुसार इतनी धीमी गति वाले न्यूट्रॉन तारों से रेडियो तरंगें नहीं निकलनी चाहिए थीं। इन संकेतों को ÷लॉन्ग पीरियड ट्रांजिएंट÷ नाम दिया गया है। इसका अर्थ है ऐसे स्त्रोत जो लंबे अंतराल के बाद दोहराए जाने वाले रेडियो संकेत उत्पन्न करते हैं। वैज्ञानिक अभी तक यह पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि ये संकेत आखिर उत्पन्न कैसे होते हैं। कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह अत्यंत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र वाले मैग्नेटार नामक तारों से जुड़े हो सकते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि दो तारों की परिक्रमा के कारण भी ऐसी लय उत्पन्न हो सकती है। हाल ही में एक अध्ययन में यह संभावना व्यक्त की गई कि एक मृत तारा और एक लाल बौने तारे की संयुक्त गतिविधि भी ऐसी रेडियो धड़कनें पैदा कर सकती है। वैज्ञानिकों के लिए सबसे रोचक बात यह है कि इन संकेतों में नियमितता दिखाई देती है। अंतरिक्ष में अधिकांश घटनाएँ अव्यवस्थित और अनियमित होती हैं, लेकिन जब कोई संकेत लगातार एक निश्चित समयांतराल पर प्राप्त होता है तो वह किसी व्यवस्थित भौतिक प्रक्रिया की ओर संकेत करता है। यही नियमितता लोगों को संगीत का अनुभव कराती है। जब कंप्यूटर इन संकेतों को ध्वनि में बदलते हैं तो वे कभी ढोलक, कभी तबले और कभी इलेक्ट्रॉनिक संगीत जैसी प्रतीत होती हैं। सोशल मीडिया ने इस विषय को और भी लोकप्रिय बना दिया है। लाखों लोग इन संकेतों को सुनकर आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं। कई लोग इसे ÷ब्रह्मांड की धड़कन÷ कह रहे हैं, तो कुछ इसे किसी अनजानी सभ्यता का संदेश मानने लगे हैं। हालांकि वैज्ञानिक इस संभावना को बहुत कम मानते हैं। उनके अनुसार अब तक प्राप्त सभी प्रमाण प्राकृतिक खगोलीय प्रक्रियाओं की ओर संकेत करते हैं। फिर भी यह सच है कि ब्रह्मांड का यह रहस्य आम लोगों की कल्पना को गहराई से प्रभावित कर रहा है।

मानव इतिहास में पहली बार 1967 में जब नियमित रेडियो संकेत खोजे गए थे, तब कुछ वैज्ञानिकों ने मजाक में उन्हें "छोटे हरे जीवों" का संकेत कहा था। बाद में स्पष्ट हुआ कि वे पल्सर थे। आज भी जब कोई नया और असामान्य संकेत मिलता है, तो लोगों की कल्पनाएँ सक्रिय हो जाती हैं। लेकिन विज्ञान का कार्य कल्पना नहीं, बल्कि प्रमाणों के आधार पर सत्य तक पहुँचना है। इन रेडियो संकेतों को पकड़ने के लिए अत्यंत विशाल रेडियो दूरबीनों का उपयोग किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका जैसे देशों में स्थापित रेडियो वेधशालाएँ लगातार आकाश का निरीक्षण करती रहती हैं। कनाडा का सीएचआईएमई उपकरण और ऑस्ट्रेलिया का एएसकैप तंत्र हाल की कई महत्वपूर्ण खोजों में शामिल रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले वर्षों में और अधिक शक्तिशाली दूरबीनें स्थापित की जाएँगी, जिनसे ऐसे संकेतों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। इन खोजों का महत्व केवल रोमांच तक सीमित नहीं है। इनके माध्यम से वैज्ञानिक ब्रह्मांड की संरचना, तारों के जीवनचक्र और अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्रों के व्यवहार को समझने का प्रयास कर रहे हैं। न्यूट्रॉन तारे पदार्थ की ऐसी अवस्था प्रस्तुत करते हैं जिसे पृथ्वी पर प्रयोगशाला में बनाना लगभग असंभव है। इसलिए इनके अध्ययन से भौतिकी के कई अनसुलझे प्रश्नों के उत्तर मिल सकते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि तेज रेडियो विस्फोट, जिन्हें "फास्ट रेडियो बर्स्ट" कहा जाता है, भी न्यूट्रॉन तारों से जुड़े हो सकते हैं। ये संकेत केवल कुछ मिलीसेकंड तक रहते हैं, लेकिन उनकी ऊर्जा इतनी अधिक होती है कि वे पूरी आकाशगंगा से अधिक चमकदार हो सकते हैं।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

नई नई नौकरी का उत्साह नया खुली हवा में सांस नया नया आत्मबल नया स्वाभिमान स्वयं से साक्षात्कार का आरंभ नया... पहली तनख्वाह पहला कोर्ट पहला हीरे का बेसर अपनी पहली कमाई बाबूजी के हाथों में रखने का उत्साह नया ... नया आत्मविश्वास नयी -नयी दुनियां में नए- नए दोस्त स्नेह नया प्यार नया अषाढ़ की पहली बारिश में आकंठ तक भींगना जीवन नया जीवन अमृत नया...।

- कुमुद अनुन्जया

जब भी हो बात, मुस्कुराया करो, ज़िंदगी जैसी भी हो, खिलखिलाया करो। राहें कठिन हों या हों आसान, हर पल को हँसकर अपनाया करो। जो भी मिले दर्द, सह जाया करो, पर दर्द ज़्यादा हो तो अपनों से कह जाया करो। दिल में कभी अँधेरा मत बसने देना, उम्मीद का दीप हमेशा जलाया करो। बहुत सुंदर है ये सारा संसार, इसे अपने प्यार से और सजाया करो। हर चेहरे पर मुस्कान बिखेरते चलो, जीवन को खुशियों से महकाया करो।

- नेहा श्रीवास्तव

दिन की शुरूआत भी तुम झिड़कियों से करते हो घर की बात क्यूँ जाहिर खिड़कियों से करते हो दिल में जो भी है तुम्हारे, खुलकर क्यूँ नहीं बताते इश्क़ भी तो तुम,पड़ौस की लड़कियों से करते हो।

- जे डी कुदाल

एक स्त्री का चेहरा उसके अस्तित्व की अभिव्यक्ति है, तुम्हारी टिप्पणियों का विषय नहीं। वो उम्र, संघर्ष, जिम्मेदारियाँ, त्याग और अनुभव लेकर चलती है इसलिए उसके चेहरे को जज करने से पहले अपनी सोच का आईना देख लेना चाहिए। स्त्री की खूबसूरती चेहरे में नहीं, व्यक्तित्व में होती है।

- रेनु सिंघल

छत्तीसगढ़ म मूंगफली के तेल नंदागे अब भूंसा के तेल म साग भुंज बघार कावत हन फेर हमर प्रधानमंत्री ह कहत हे तेल ल चिटुकुन कम खावा काजू किसमिस बदाम के भाव ल 50 रुपया कर दब जी तेल के जरूरत नी लागे।

- लक्ष्मी नारायण लहरे

लोग लहजा बदलते हैं ध्यान रखना कुछ तो रस्ता बदलते हैं ध्यान रखना बात करने लगोगे गर गल्तियों पर लोग किस्सा बदलते हैं ध्यान रखना एक दिन वो बदल जाएंगे अचानक जो भी थोड़ा बदलते हैं ध्यान रखना दुश्मनों से रखोगे तुम सावधानी दोस्त कितना बदलते हैं ध्यान रखना बनके "चमचा" रहोगे तो क्या मिलेगा लोग "चमचा" बदलते हैं ध्यान रखना।

- मित्र ग़ाज़ियाबादी

प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीज़ल बचाने, सोना न ख़रीदने, विदेश यात्रा पर न जाने की अपील की है। इन पर पाबंदी नहीं लगाई है। आपको कोई नहीं रोक रहा कि आप अपना घर गिरवी रख सोना ख़रीदें, लोन लेकर विदेश यात्रा करें और अपनी गाड़ी का इंजन चौबीसों घंटों चालू रखें.. ??सरकार के निर्णय के साथ डट कर खड़े रहिए, क्योंकि आप डोभाल, जयशंकर सेना अध्यक्षों रक्षा सचिवों से ज्यादा बड़े ज्ञानी नही हो?

- वंदना गोयल

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन किसी न किसी रूप में हानि देकर जाएगा विशेषकर व्यावसायिक कार्यो में जदबाजी ना करें धोखा होने की संभावना है।

वृष: आज के दिन आपका व्यवहार अनाड़ियों जैसा रहेगा स्वयं को अन्य लोगो की तुलना में श्रेष्ठ दिखाने के चक्कर मे उल्टे हास्य के पात्र बनेंगे। आज आपका दिमाग धन संचय की जगह जमा पूंजी से शौक पूरे करने पर रहेगा।

मिथुन: आज का दिन सफलता दायक है दिन के आरंभ से ही लक्ष्य बनाकर धर्य से कार्य करे जो भी कार्य करेंगे उसमे थोड़ी बहुत परेशानी के बाद सफलता अवश्य मिलेगी।

कर्क: आज के दिन आपकी दिनचर्या अस्त व्यस्त रहेगी किसी भी कार्य मे बुद्धि विवेक का कम ही इस्तेमाल करेंगे। कार्य व्यवसाय में भी जोखिम लेने से डरेंगे जिसके फलस्वरूप सीमित साधनों से काम चलाना पड़ेगा।

सिंह: आज का दिन बीते कल की तुलना में विपरीत फलदायी रहेगा अपने रूखे व्यवहार के कारण जो लोग आपको सम्मान दे रहे थे वे ही मन ही मन कोसेंगे। कार्य क्षेत्र पर स्वतः बन रहे सौदों को नासमझी में बिगाड़ लेंगे।

कन्या: आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा लेकिन आज आपको पूर्व में किसी की सहायता ना कर पाने का अफसोस भी होगा। घर मे भाई बहनों का स्वभाव जिद्दी रहेगा घर की तुलना में बाहर का वातावरण अधिक शांति देगा।

तुला: आज के दिन आपके घर मे किसी महिला का जिद्दी व्यवहार परेशानी में डालेगा अपनी जिद के कारण स्वयं शारीरिक एवं मानसिक कष्ट भोगेंगी साथ मे आपसे भी भागदौड़ करवाएंगी।

वृश्चिक: आज के दिन आप अपनी छवि सुधारने का प्रयास करेंगे दिखावे की मानसिकता रहेगी जिससे व्यक्तित्त्व सुधारने की जगह लोग आपको चापलूस समझेंगे। संतान अथवा अन्य मित्र रिश्तेदार की बीमारी पर खर्च करना पड़ेगा।

धनु: आज के दिन आपके ऊपर आवेश हावी रहेगा। बुद्धि विवेक रहने के बाद भी अपनी बात मनवाने के लिये किसी पर भी अनैतिक दवाब डालेंगे।

मकर: आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा प्रयास करने पर ही काम बनते नजर आएंगे थोड़ा भी आलस्य पहले की मेहनत पर भी पानी फेर सकता है। माता से आज विशेष बना कर चले आकस्मिक लाभ मिल सकता है।

कुंभ: आज का दिन सावधानी से बिताए लोगो को आपकी भले के लिये कही बात भी बुरी लगेगी स्वयं का पराक्रम भी आज कमजोर रहेगा जल्दी से किसी निर्णय लेने में परेशानी आएगी।

मीन: आज के दिन चंचलता मन पर हावी रहेगी दिन के आरंभिक भाग में अपने हास्य परिहास से घर का वातावरण खुशनुमा बनाएंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) मत्स्य विभाग ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को किस योजना के तहत टूना क्लस्टर के रूप में नामित किया है?

2) राजस्थान के सांभर झील में प्रवासी पक्षियों की सामूहिक मृत्यु का मुख्य कारण एवियन बोटुलिज्म क्या है?

3) मैसूर के किस जन आंदोलन को पारंपरिक खेती पद्धतियों के संरक्षण के लिए 31वां डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार मिला?

4) राजाजी नेशनल पार्क किस राज्य में स्थित है?

5) हाल ही में निधन होने वाले बोरिस स्पास्की किस खेल से जुड़े थे?

उत्तरमाला- (1) प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (2) क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम [illegible] (3) [illegible] (4) उत्तराखंड (5) शतरंज

पहेली

शब्द सामर्थ्य -037

बाएं से दाएं : [illegible]

ऊपर से नीचे [illegible]

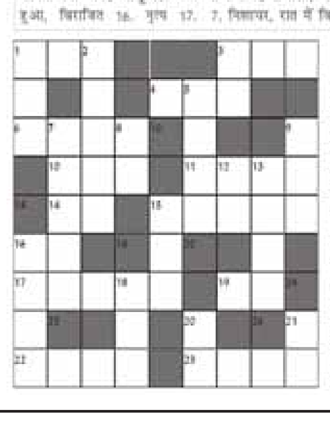

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 036 का हल

डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़े- गर्मी का प्रकोप : अस्पतालों में लगा मरीजों का तांता

जबलपुर ।

शहर में गर्मी ने अब खतरनाक रूप लेना शुरू कर दिया है। बुधवार को सुबह 11:30 बजे ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि दोपहर बाद इसके 44 डिग्री तक चला गया। तेज धूप, गर्म हवाएं और उमस भरे मौसम ने आमजन का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक और अधिक भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है।

लगातार बढ़ते तापमान का असर अब लोगों की सेहत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, उल्टी-दस्त, चक्कर आना, कमजोरी और हीट स्ट्रोक जैसे मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है।

चिकित्सकों का कहना है कि तेज धूप और लू के कारण सबसे ज्यादा खतरा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों को है। दोपहर के समय बाहर निकलने वाले मजदूर, ट्रैफिक पुलिसकर्मी, डिलीवरी बॉय और खुले में काम करने वाले लोग भी गंभीर जोखिम में हैं।

हीट स्ट्रोक बन सकता है जानलेवा

मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार लगातार पसीना निकलने से शरीर में पानी और नमक की कमी होने लगती है, जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ती है। यदि समय रहते शरीर को पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स नहीं मिलते, तो व्यक्ति हीट एक्सॉशन या हीट स्ट्रोक का शिकार हो सकता है।

डॉक्टरों का कहना है कि हीट स्ट्रोक की स्थिति में शरीर का तापमान तेजी से बढ़ जाता है और मरीज बेहोश भी हो सकता है। समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है।

बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा

विशेषज्ञों ने बताया कि छोटे बच्चों और बुजुर्गों का शरीर अत्यधिक तापमान को जल्दी सहन नहीं कर पाता। ऐसे में उन्हें बार-बार पानी पिलाना और धूप से बचाना बेहद जरूरी है।

इधर स्कूल जाने वाले बच्चों को लेकर भी अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। सुबह के समय ही तेज गर्मी होने से बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों ने बच्चों को हल्के सूती कपड़े पहनाने और घर से पानी की बोतल लेकर निकलने की सलाह दी है।

डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

चिकित्सकों ने लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर और कान को सफेद या हल्के रंग के कपड़े से ढंककर निकलें।

विशेषज्ञों ने कहा है कि लगातार पानी, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करते रहना चाहिए। खाली पेट धूप में निकलने से भी बचना जरूरी है।

न्यूज गैलरी

माढ़ोताल प्रोफेसर कॉलोनी में शराबियों का उपद्रव, घरों और गाड़ियों में की तोड़फोड़

जबलपुर । माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित प्रोफेसर कॉलोनी में गत देर रात असामाजिक तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया। देर रात चार से पांच गाड़ियों में पहुंचे शराबियों के एक समूह ने कॉलोनी में गालीगलौज करते हुए घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की और कई घरों पर पत्थरबाजी कर दहशत फैला दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय रहवासी हिमांशु पटेल ने बताया कि वे पिछले छह वर्षों से प्रोफेसर कॉलोनी में रह रहे हैं, लेकिन इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि देर रात अचानक कुछ युवक कॉलोनी में पहुंचे और शोर-शराबा करते हुए घरों पर पत्थर फेंकने लगे। इस दौरान घर के बाहर खड़ी उनकी स्विफ्ट कार के कांच भी तोड़ दिए गए। पत्थरबाजी से कई परिवार दहशत में आ गए और बच्चों व महिलाओं में भय का माहौल बन गया। घटना से नाराज और डरे हुए रहवासी बुधवार सुबह माढ़ोताल थाना पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को पूरी घटना की जानकारी देते हुए सुरक्षा की मांग की। रहवासियों ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र में बड़ी घटना हो सकती है। लोगों ने रात में नियमित पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने और उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद माढ़ोताल थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। बताया जा रहा है कि दीक्षित मेडिकोज के बाहर लगे कैमरों में कुछ संदिग्ध वाहन और युवक दिखाई दिए हैं, जिनकी पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में रात के समय अतिरिक्त गश्त भी शुरू की जाएगी ताकि रहवासियों में सुरक्षा का भरोसा कायम किया जा सके।

सुअरमार बम सहित 2 आरोपी पकडे गये

जबलपुर । माढ़ोताल पुलिस ने पाटन बायपास पवन ढाबा के आगे सुअरमार बम लेकर घूम रहे बाईक सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर उसके पास से दो सुअरमार बम एवं बाईक जब्त की है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस मुखबिर की सूचना पर पाटन बायपास पवन ढाबा के आगे बाईक क्रमांक एमपी 20 एनआर 0918 में सुअरमार बम लेकर घूम रहे लार्डगंज निवासी 24 वर्षीय अमित रजक और ग्राम पौड़ी बेलखाडू कटंगी निवासी 19 वर्षीय अभिषेक भूमिया को गिरफ्तार कर उनके पास से दो सुअरमार बम एवं मोटर सायकिल जब्त कर दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 5 विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

अवैध उत्खनन की रेत से भरा डंपर जब्त

जबलपुर। गौरीघाट थाना अतंर्गत दुर्गानगर में अवैध रुप से चोरी की रेत हाईवा में परिवहन कर ले जा रहे एक हाईवा चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर रेत से भरा हाईवा जब्त किया है। गौरीघाट थाना प्रभारी हरिकिशन आटनेरे ने बताया कि गत दिवस एक हाईवा क्रमांक एमपी 20 एचबी 8991 में चोरी की रेत हाईवा में भरकर भटौली गौरीघाट से होते हुए बिग बाजार की ओर जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर दुर्गानगर पहुंची पुलिस ने विसर्जन कुण्ड के पास गौरीघाट में हाईवा चालक ग्राम गांजर थाना पनागर निवासी 38 वर्षीय राकेश ठाकुर को गिरफ्तार किया, उसके पास रेत की रायल्टी के कोई दस्तावेज नहीं थे। हाईवा चालक ने बताय कि वाहन मालिक वकील यादव के कहने पर बेलखाडू से रेत लाकर यहां पहुंचा रहा था। पुलिस ने हाईवा चालक एवं हाईवा मालिक के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5), 3(5) बीएनएस तथा 21(4) खान एवं खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

क्रिकेट का सट्टा खिलाते दो आरोपी पकडे गये

जबलपुर । क्राईम ब्रांच एवं गढ़ा पुलिस ने प्रेमनगर में एमजी शोरुम के पीछे गली में क्रिकेट का सट्टा खिलाते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार कर उनके पास से नगद 6 हजार 200 रुपए, लैपटॉप, पेन ड्राईव और 11 मोबाइल आदि जब्त किए है। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि गत दिवस क्राईम ब्रांच और गढ़ा पुलिस की टीम ने मुखबिर की सूचना पर प्रेमनगर में एमजी शोरूम के पीछे गली में मोबाइल एवं अन्य साधनों से सट्टा खिला रहे प्रेमनगर निवासी 51 वर्षीय जयप्रकाश यादव और रेतनाका साहिब टाउनशिप में गौरीघाट निवासी 35 वर्षीय अमित कुशवाहा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सट्टा खिलाने में प्रयुक्त डेल कम्पनी का 1 लेपटाप, 1 पेन ड्राईव, एण्ड्रायड मोबाइल, 3 कीपेड मोबाइल, 2 केलकुलेटर, सट्टा पर्ची, 2 डायरी, 4 नग मोबाइल चार्जर, 1 एक्सटेंसन बोर्ड, 6 पेन, 1 पेंसिल, 4 कल्याण व राजधानी सट्टे का नम्बर 2 टेबल, नगदी 6 हजार 200 रूपये जप्त किये गये, सट्टा के संबंध में पूछताछ करने पर घमापुर निवासी बल्ली गुप्ता के कहने पर महिने के 15 हजार रूपये के हिसाब से सट्टा लिखने का काम करना बताया7 पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 4(ए) सट्टा एक्ट तथा 49 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई।

जबलपुर में अग्नि सुरक्षा सप्ताह आयोजित

अस्पतालों में आपदा प्रबंधन की मॉकड्रिल आयोजित की

जबलपुर ।

जबलपुर कलेटर राघवेंद्र सिंह एवं मुय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉटर नवीन कोठारी के नेतृत्व में जबलपुर के सभी सरकारी एवं प्राइवेट हॉस्पिटल्स मे 4 मई से 10 मई तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित इस सप्ताह भर के कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना था।

ऑडिट और मॉक ड्रिल

कार्यक्रम की शुरुआत 4 मई को अग्नि सुरक्षा शपथ के साथ हुई, जिसमें सभी अस्पताल प्रभारी, वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ शामिल रहे। जिला चिकित्सालय एवम एल्गिन अस्पताल में जिला अग्निशमन विभाग के सहयोग से फायर मॉक ड्रिल कर आपातकालीन निकासी का अभ्यास कराया गया। इसके बाद आईसीयू, एनआईसीयू और ऑपरेशन थिएटर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए मॉकड्रिल आयोजित किया गया। जबलपुर के सभी अस्पताल- जिला चिकित्सालय विक्टोरिया, सिविल अस्पताल एल्गिन, राँझी, पाटन, सिहोरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनमोहन नगर, शहपुरा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं समस्त प्राइवेट हॉस्पिटलों मे फायर सुरक्षा अग्निशमक यंत्र अभ्यास, अग्नि सुरक्षा ऑडिट और जागरूकता सत्र हुए ।

फायर सेफ्टी वीक 2026 के अवसर पर, आरएसीई सिद्धांत को समझाया है, आग से बचाने में कारगर है आरएसीई (बचाव) आग का पता चलते ही आपकी पहली प्राथमिकता अपनी और दूसरों की जान बचाना होनी चाहिए। अगर आप सुरक्षित हो, तो तुरंत उन लोगों की सहायता करें जो आग में फंसे हैं। धुएं से बचने के लिए जमीन के करीब रहें (रेंगकर चलें), क्योंकि ताजी हवा नीचे की ओर होती है। इस दौरान लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल न करें; हमेशा सीढ़ियों का चुनाव करें। एक बार जब आप सुरक्षित महसूस करें या बचाव की प्रक्रिया शुरू कर दें।

तो दूसरों को सचेत करें। नजदीकी Fire Alarm को दबाएं ताकि मदद के लिए टीम आ पाए। साथ ही आसपास के लोगों को अलर्ट करने के लिए जोर से चिल्लाकर आग-आग कहें ताकि आसपास के लोग सतर्क हो जाएं। आप तुरंत फायर ब्रिगेड या आपातकालीन नंबर पर कॉल करें और घटनास्थल की सटीक जानकारी दें।

संदीप जैन आज संभालेंगे जेडीए अध्यक्ष का पदभार

सिविक सेंटर में भव्य समारोह की तैयारियां पूरी

जबलपुर ।

जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के नए अध्यक्ष के रूप में आज संदीप जैन पदभार ग्रहण करेंगे। लगभग 7 साल बाद जेडीए कार्यालय एक बार फिर बड़े आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है।

सिविक सेंटर स्थित जेडीए कार्यालय को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

आज सुबह 10ः30 बजे आयोजित होने वाले पदभार ग्रहण समारोह के लिए भारत माता चौक में विशाल पंडाल तैयार किया गया है। समारोह संत-महात्माओं के पावन सानिध्य में संपन्न होगा, जहां शहर के जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, विभिन्न समाजों के प्रमुख और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के बाद अभिनंदन समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

शहर विकास को लेकर लोगों की बढ़ीं उम्मीदें: जबलपुर विकास प्राधिकरण शहर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण संस्था मानी जाती है। ऐसे में नए अध्यक्ष के रूप में संदीप जैन वैष्णव की नियुक्ति को लेकर शहरवासियों में नई उम्मीदें जागी हैं। सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले संदीप जैन को योजनाओं को धरातल पर उतारने वाली कार्यशैली के लिए जाना जाता है। हालांकि उन्होंने अब तक अपनी प्राथमिकताओं को लेकर सार्वजनिक रूप से ज्यादा कुछ नहीं कहा है, लेकिन समर्थकों का मानना है कि वे काम के जरिए अपनी कार्यप्रणाली दिखाना पसंद करते हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में जेडीए शहर विकास की नई दिशा तय करेगा।

समारोह में दिखेगी सामाजिक समरसता: आयोजकों के अनुसार पदभार ग्रहण समारोह में सभी समाजों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता और सहभागिता का विशेष संदेश देखने को मिलेगा। संदीप जैन सर्व समाज के आशीर्वाद के साथ अपना नया दायित्व संभालेंगे। इसी अवसर पर प्रशांत केसरवानी भी जेडीए के उपाध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। दोनों को मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जिम्मेदारी सौंपी गई है।

माढ़ोताल में वारदात, धमकी देकर नगदी व जेवर लूटे

छलपूर्वक वृद्धा को सूनसान जगह ले जाकर लूटा

जबलपुर ।

माढ़ोताल थाना अतंर्गत करमेता में बिजली बिल जमा करने के बाद मेन रोड पर आटो का इंतजार कर रही आंखों से कमजोर 75 वर्षीय वृद्धा को लुटेरो ने नयाब अंदाज में अपना शिकार बनाया7 बदमाशों ने बोला अम्मा आपको हमारी मम्मी बुला रही है, वृद्ध ने कहा यही बुला दो मम्मी को मुझे दिखता नही है, इसके बाद दो अज्ञात बदमाशों ने वृद्धा से कहा कि थोड़ा आगे चलो, वह आपको पहचानती है और बाईक में बैठाकर कटनी बायपास ले गए, जहां पर उसके सोने चांदी के जेवर और 15 हजार रुपए नगदी लूट लिए7 पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और डकैती का मामला दर्ज कर लिया है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सूखा हवाघर चौधरी मोहल्ला माढ़ोताल निवासी 75 वर्षीय श्रीमति रुकिया बाई चौधरी गत सुबह लगभग 11 बजे अपने घर ग्राम सूखा से घर का बिजली का बिल जमा करने बिजली आफिस पाटन रोड करमेता आई थी बिजली बिल जमा करने के बाद वह आटो की तलाश में बिजली आफिस के सामने मेन रोड में आकर खड़ी हुयी तभी एक मोटर सायकल से दो अज्ञात लड़के आये और उससे बोले की माताराम आपको हमारी मम्मी बुला रही है तो उसने कहा कि तुम्हारी मम्मी कहां है उन्हें यहीं ले आओ तो वो उससे बोले कि थोड़ी आगे चलो वे तुम्हे जानती हैं हम मिलवा देंगे उसे लगा कि उसके कोई रिश्तेदार होगें। क्योंकि उसे कम दिखाई देता है तो वह उनके साथ उनकी मोटर सायकल में बैठ गयी दोनों लडके उसे धोखे में रखकर छलपूर्वक कटनी नागपुर राजमार्ग की तरफ ले गये और उसे पाटन वायपास रोड

ब्रांड एंबेसडर श्रेया की अपील, स्वच्छता का दें फीडबैक

जबलपुर । राष्ट्रीय बालश्री पुरस्कार विजेता एवं नगर निगम, जबलपुर की स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर श्रेया खंडेलवाल ने सभी नागरिकों से सकारात्मक स्वच्छता फीडबैक देने का निवेदन किया है। इससे स्वच्छता सर्वेक्षण में हम अपनी रैंक को और बेहतर कर सकते हैं।आपको क्यू आर कोड को स्कैन करके या दिए गए लिंक पर क्लिक करके पॉजिटिव फीडबैक देना है। साथ ही घरों और दुकानों में गीले और सूखे कचरे को अलग- अलग डस्टबीन में इकट्ठा करके कचरे वाली गाड़ी में ही डालना है।

दलितों और आदिवासियों पर बढ़ रहे अत्याचार

जबलपुर ।

बसपा ने एसपी आफिस में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

जबलपुर जिले में बढ़ रही हत्या, लूट, डकैती की घटनाओं के विरोध में बहुजन समाज पार्टी ने एसपी आफिस में प्रदर्शन कर एक ज्ञापन सौंपा7 ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि अनूसूचित जाति, जनजाति के लोगों पर अपराध बढ़ रहे है वहीं पुलिस भी अत्याचार कर रही हैं7 बसपा नेताओं ने घमापुर क्षेत्र में आरती चौधरी की हत्या के बाद उसके पति कन्हैया चौधरी को दिनभर थाने में बैठाकर रखा और अपराधियों जैसा व्यवहार किया7 इसी तरह शहपुरा के घंसौर ग्राम में हीराबाई चौधरी की हत्या के डेढ़ साल बाद भी आरोपी नहीं पकड़े गए7 पनागर में बसपा कार्यकर्ता मनोज चौधरी के घर पर पत्थर बाजी हुई लेकिन पुलिस ने झूठा मामला बना दिया7 इसी तरह भेड़ाघाट शिल्पीनगर में जीवन अहिरवार पर विरोधियों द्वारा मुकदमा वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है और धमकाया जा रहा है। सिहोरा थाना मझगवां ग्राम के 10 वीं कक्षा में अध्ययनरत नाबालिग बालक को उनके पड़ोसियों द्वारा 2-3 बार हत्या का प्रयास किया, जिसकी शिकायत थाना सिहोरा में की गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की7 बसपा जिलाध्यक्ष लखन अहिरवार ने कहा कि जबलपुर जिले के हर थानों में दलित आदिवासियों पर अपराधिक घटनाएँ बढ़ रही हैं और पुलिस हाथ में हाथ रखकर बैठी है। पुलिस लापरवाही करती है और जानबूझकर पीड़ित पक्ष पर ही मुकदमें दर्ज कर लेती है। आरती चौधरी सहित सभी प्रकरणों में तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही की मांग बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने की है।

ग्रामीणों के सुझावों के अनुरूप होंगे विकास कार्य : सांसद आशीष दुबे

जबलपुर ।

जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने पनागर विधानसभा अंतर्गत बरेला मंडल में आयोजित ग्राम पंचायत प्रवास कार्यक्रम के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव और विकास संबंधी अपेक्षाएं सुनीं। सांसद श्री दुबे का प्रवास शारदा मंदिर से प्रारंभ होकर देवरी,बम्हनी,धनपुरी,डूडी, पहाड़ी खेड़ा,उमरिया, बिलगड़ा,पड़वार,परतला और हिनोतिया भोई ग्राम पंचायत में संपन्न हुआ। प्रत्येक ग्राम में ग्रामीणों, किसानों,महिलाओं एवं युवाओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया और स्थानीय आवश्यकताओं से अवगत कराया। इस दौरान ग्राम पंचायत बिलगड़ा एवं हिनोतिया भोई में नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण विधायक सुशील इंदु तिवारी के साथ किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद आशीष दुबे ने कहा कि ग्रामीणों से मिले सुझाव के अनुसार विकास के काम होंगे। कार्यक्रम के दौरान विधायक सुशील इंदु तिवारी, श्रीमती चंद्रकला गोस्वामी, राजमणि सिंह बघेल, प्रतीक दुबे, अंकुर जैन, मनोज यादव, अर्पित जैन, राहुल बारी, आनंद साहू, चंदन पटेल, सोनू सोनकर, संदीप शुक्ला, संजय पटेल, रामेश्वर साहू, रनेश खरे, नितिन मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं स्थानीयजन उपस्थित रहे।

फेडरेशन ऑफ मप्र चैंबर्स का पदभार ग्रहण समारोह

जबलपुर ।

भोपाल स्थित होटल कोर्टयार्ड मेरियट में प्रदेश की शीर्ष उद्योग व्यापार संस्था, फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री की वार्षिक साधारण सभा, स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के पदभार ग्रहण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें हिमांशु खरे ने बतौर अध्यक्ष तथा नवीन कार्यकारिणी ने कार्यभार ग्रहण किया। आयोजन में बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से व्यवसायी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शासन के श्रम एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य काश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्रीद्वय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष हिमांशु खरे को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में फेडरेशन के सचिव प्रवीण आचार्य ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

माल वाहनों में सवारी ढोने का बढ़ता खतरा, कार्रवाई के अभाव में बढ़ रही लापरवाही

लखनपुर/नवप्रदेश। क्षेत्र में इन दिनों यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी देखने को मिल रही है। शादी-विवाह के सीजन में छोटे मालवाहक वाहनों जैसे मेटाडोर, ट्रक 407 और अन्य माल ढोने वाले वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां भरकर लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा रहा है। स्थिति यह है कि इन वाहनों में यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर बैठाया जा रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद क्षेत्रीय परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। जानकारी के अनुसार, पहले मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने पर सख्त प्रतिबंध था और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाती थी। लेकिन वर्तमान में नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए खुलेआम मालवाहक वाहनों का उपयोग यात्री वाहन के रूप में किया जा रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में शादी समारोह और अन्य आयोजनों के दौरान लोग जान जोखिम में डालकर इन वाहनों में

सफर करने को मजबूर हैं। कई वाहनों में न तो वैध परमिट है और न ही आवश्यक सुरक्षा इंतजाम। इसके बावजूद ये वाहन सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग और पुलिस दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों पर दस्तावेज जांच के नाम पर कार्रवाई तो करते हैं, लेकिन मालवाहक वाहनों में अवैध रूप से सवारी ढोने वालों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। जबकि मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मालवाहक वाहनों में यात्रियों को बैठाना नियम विरुद्ध है। ऐसे वाहनों में न तो यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था होती है और न ही आपात स्थिति से निपटने के साधन उपलब्ध रहते हैं। लोगों का कहना है कि खचाखच भरे मेटाडोर या ट्रक के अचानक पलटने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति में बड़ी जनहानि हो सकती है। पूर्व में भी कई हादसों में लोगों की जान जा चुकी है, इसके बावजूद प्रशासन की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग से मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और लोगों की जान सुरक्षित रह सके।

न्यूज गैलरी

मनेन्द्रगढ़ स्टेशन पर रेल आपदा प्रबंधन व एनडीआरएफ का संयुक्त मॉक ड्रिल 15 को

मनेन्द्रगढ़/एमसीबी/नवप्रदेश। रेल दुर्घटना जैसी आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते हैं। इसी कड़ी में 15 मई को प्रातः 10 बजे से मनेन्द्रगढ़ स्टेशन यार्ड में एक वृहद मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इस संयुक्त अभ्यास में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और रेलवे की आपदा प्रबंधन टीमें हिस्सा लेंगी। अभ्यास के दौरान सवारी गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने की एक काल्पनिक स्थिति बनाई जाएगी। इसके माध्यम से मलबे में फंसे यात्रियों को सुरक्षित निकालने, घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने और अत्याधुनिक राहत उपकरणों के प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के अनुसार, इस ड्रिल का मुख्य उद्देश्य फ्रंटलाइन स्टाफ और स्थानीय नागरिकों को आपदा के प्रति जागरूक करना तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को परखना है। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा आम जनता को भी सुरक्षा उपायों और आपातकालीन स्थितियों में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि किसी भी वास्तविक दुर्घटना के समय जीवन-रक्षा कार्यों को न्यूनतम समय में कुशलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

बोर्ड परीक्षा : फेल व सप्लीमेंट्री छात्रों के लिए लगाई जाएंगी विशेष कक्षाएं

जांजगीर/नवप्रदेश। जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल के 10वीं और 12वीं परिणाम में गिरावट पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। राज्य रैंकिंग में जिला 32वें स्थान पर पहुंच गया है, जिसे गंभीर माना गया है। कलेक्टर के निर्देश के बाद जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा ने सभी सरकारी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों को तत्काल निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष 10वीं का परिणाम 60 प्रतिशत और 12वीं का 65 प्रतिशत रहा है, जिसे विभाग ने चिंताजनक स्थिति बताया है। बड़ी संख्या में छात्र अनुत्तीर्ण और पूरक होने के कारण अब जुलाई में होने वाली अवसर परीक्षा पर फोकस किया गया है। डीईओ ने निर्देश दिए हैं कि इन छात्रों के लिए अवकाश नहीं रहेगा और स्कूल स्तर पर नियमित ऑफलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। कक्षाओं का समय सुबह 7 बजे से 10.30 बजे तक तय किया गया है। प्राचार्यों और शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे परिणाम का विश्लेषण कर कमजोर विषयों और अध्यायों की पहचान करें। विद्यार्थियों की कमियों पर विशेष ध्यान देकर तैयारी कराई जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि अवसर परीक्षा में सुधार नहीं हुआ, तो संबंधित स्कूलों के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। अभी विभाग का लक्ष्य पूरक और अनुत्तीर्ण छात्रों को मुख्य धारा में लाना है।

नवधा रामायण सुनने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सक्ती/नवप्रदेश। ग्राम मसानिया कला में इस वर्ष भी नवधा रामायण का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गांव में धार्मिक माहौल बना रहा। रामायण पाठ और भक्ति संगीत के साथ गांव का वातावरण राममय हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम में जांजगीर लोकसभा सांसद कमलेश जांगड़े मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं। अध्यक्षता नगर पालिका सक्ती अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने की। सांसद ने कहा कि मसानिया कला उनका गृह ग्राम है और यहां हर साल होने वाला आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा है। ऐसे आयोजनों से गांव में भक्ति का माहौल बनता है और समाज में संस्कार, संस्कृति और एकता मजबूत होती है। श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि वे लगातार इस गांव में आते रहे हैं और ग्रामीणों के स्नेह से हमेशा अभिभूत रहते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से गांव में प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता बढ़ती है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि जरूरत पड़ने पर वे हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। कार्यक्रम में मांगेराम अग्रवाल, राकेश राठौर, घनश्याम देवांगन, कालू रघुनाथ, खिलावन पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन नवधा रामायण समिति मसानिया कला के तत्वावधान में हुआ। आयोजक सुनील शुक्ला रहे। समिति सदस्य शिव साहू, छेदी गुरुजी, बलभद्र शुक्ला, परदेसी कंवर, इंद्र कुमार गबेल, रमेश गबेल, गनपत पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

स्कॉर्पियो ने स्वास्थ्य कर्मी को टक्कर मारी, मौत

अंबिकापुर/नवप्रदेश। पटना क्षेत्र के ग्राम डुमरिया में सोमवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की चपेट में आने से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिनेश साहू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। ग्राम आजो खुर्द निवासी दिनेश साहू स्वास्थ्य विभाग में ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक के पद पर छिदिया में कार्यरत थे। सोमवार को वे अपनी बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी रॉन्ग साइड से आ रही एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। दिनेश साहू अपने वृद्ध पिता जवाहरलाल साहू के इकलौते बेटे थे। दिनेश का एकमात्र पुत्र वर्तमान में रूस में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा है। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम अंजू खुर्द में किया गया। स्थानीय लोगों ने फरार वाहन चालक की जल्द

अंबेडकर, गुरु घासीदास और माता कर्मा प्रतिमा का अनावरण

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नगर आगमन पर विधायक पुन्नूलाल मोहले एवं जिला भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समाज प्रमुखों एवं अन्य नागरिकों ने जगह-जगह पर किया स्वागत।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का करही देवरी स्थित हेलीपैड में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक धरमलाल कौशिक, पुन्नूलाल मोहले, सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य गिरीश शुक्ला, शैलेश पाठक, प्रेम आर्य, द्वारिका जायसवाल, मोहन भोजवानी, किशोरी केशरवानी, सुनील पाठक, संजय वर्मा, आशीष मिश्रा, नागेश्वर सिंह, राणाप्रताप सिंह, शैलेंद्र तिवारी, शिवप्रताप सिंह, तरुण खांडेकर, मिथिलेश केशरवानी, अमितेश आर्य, सौरभ बाजपेयी, राजीव श्रीवास, शिवकुमार बंजारा, रामशरण यादव, अंजना दास, शीलू साहू, अंजना जायसवाल, पायल विश्वकर्मा, लक्ष्मी ठाकुर, श्वेता सोनी, यशोदा यादव आदि ने स्वागत किया। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित भारतरत्न डॉ भीमराव अंबेडकर एवं दाऊपारा में पूज्य बाबा गुरु घासीदास के प्रतिमा अनावरण का अनावरण व चौक सौंदर्यीकरण का लोकार्पण मुख्यमंत्री साय ने किया। इस अवसर पर विधायक मोहले के साथ पूर्व विधायक विक्रम मोहले, शिवकुमार बंजारा, मानिक सोनवानी, विजय बंजारा, तरुण पाटले, बादल रात्रे, लवन डाहिरे, ताराचंद टंडन, अनिल पात्रे, पद्मिनी मोहले, रजनी सोनवानी, आकुम गेंदले आदि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सतनामी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पड़ाव स्थित महाराणा प्रताप चौक में महाराणाप्रताप के मूर्ती अनावरण कार्यक्रम में ठाकुर समाज से राधावल्लभ सिंह, शिव प्रताप सिंह, लोकनाथ सिंह हरिकपुर से उमाकांत सिंह, प्रदीप सिंह, राधा चरण सिंह, गोखले सिंह, नागेश्वर सिंह, सत्येंद्र सिंह, धनराज परिहार, लवलेश सिंह, विपिन सिंह, आलोक सिंह,

विश्वराज सिंह, प्रफुल्ल सिंह, वंशराज सिंह, राणा प्रताप सिंह, हरि सिंह आदि उपस्थित रहे। नवागढ़ मोड़ पर स्थित भक्त माता कर्मा चौक में माता कर्मा की मूर्ति का अनावरण मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, श्रीकांत पाण्डेय, जयप्रकाश मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर साहू समाज के पदाधिकारी एवं वरिष्ठगण पुहूप राम साहू, बलदाऊ साहू, राम खेलावन साहू, लालाराम साहू, राकेश साहू, डॉ. लेखूराम साहू, जितेन्द्र साहू, लेखराम साहू जिला महामंत्री, डॉ. रेखा राम साहू, रवि साहू, रामकुमार साहू, डॉ. हीरा लाल साहू, संगीता साहू पार्षद आदि साहू समाज के लोग उपस्थित रहे। इसमें पश्चात मुख्यमंत्री का काफिला डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम पहुँचा जहाँ पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं अतिथियों ने मुंगेली विधायक एवं पूर्वमंत्री पुन्नूलाल मोहले के प्रयास से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा स्वीकृत कुल राशि 358 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, रजक कार्ड बोर्ड अध्यक्ष का प्रहलाद रजक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, गिरीश शुक्ला, शैलेश पाठक, महामंत्री कैलाश सिंह गुरमीत सलूजा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शांति देवचरण भास्कर, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार, उपाध्यक्ष पुष्पलता पद्मिनी मोहले, नगर पालिका मुंगेली उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, जनपद पंचायत लोरमी अध्यक्ष वर्षा सिंह, नगर पंचायत बरेला अध्यक्ष नरेश पटेल, नगर पंचायत जरहागांव रूपाली वेद प्रकाश कश्यप, पथरिया अध्यक्ष चित्रलेखा जांगड़े, नगर पंचायत पथरिया अध्यक्ष हुलसी रघु वैष्णव, सुनील पाठक, संजय वर्मा, आशीष मिश्रा, शैलेंद्र तिवारी, अमितेश आर्य, रामशरण यादव, मुंगेली नगर मण्डल अध्यक्ष, सौरभ बाजपेई, महावीर सिंह मन्नू श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास, नितेश भारद्वाज, चंद्रहास गोस्वामी, नागेश्वर जायसवाल, अभिलाष त्रिवेदी, सुखचंद साहू, सुशील यादव, संजय सिंह, पोषण यादव, राजेंद्र साहू, दिनेश कश्यप, प्रवीण सोनी, यश गुप्ता, रोशन सोनी, असलम खान, छोटी सत्तू सिंह, जीवन पटेल, सुनील सोनी आदि कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

हसिया नदी फ्रंट को विकसित करने के निर्देश कलेक्टर ने लिया विकास कार्यों का जायजा

मनेन्द्रगढ़/एमसीबी/नवप्रदेश। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने बुधवार को मनेन्द्रगढ़ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन निरीक्षण कर नागरिक सुविधाओं और विकास योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति, यातायात प्रबंधन और हसिया नदी के सौंदर्यीकरण को लेकर अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर ने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण से शुरुआत की, जहाँ उन्होंने शोधन प्रक्रिया और वितरण की गुणवत्ता देखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को स्वच्छ और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही, भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उन्होंने प्रस्तावित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

हेतु चिन्हित भूमि का अवलोकन कर कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। शहर में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने के लिए कलेक्टर ने भूपेंद्र क्लब एवं एसडब्ल्यूसी गोदाम की भूमि का मुआयना किया। उन्होंने अधिकारियों को उपलब्ध भूमि का उपयोग पार्किंग और सड़क विस्तार के लिए करने हेतु नागरिक सुविधा केंद्रित प्रस्ताव बनाने को कहा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एसआरएलएम सेंटर पहुंचकर आजीविका गतिविधियों की भी जानकारी ली। निरीक्षण का मुख्य केंद्र हसिया नदी फ्रंट रहा। कलेक्टर ने हसिया एवं हसदेव नदी के संगम क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने और वहाँ वॉकिंग ट्रैक व सौंदर्यीकरण के लिए विस्तृत सर्वे करने के निर्देश दिए।

जल संकट से जूझ रहे निमोही के नागरिकों को मिली वेदांता पावर की मदद

सिंघीतराई, सक्ती/नवप्रदेश। भीषण गर्मी और गिरते जल स्तर के बीच जल संकट से जूझ रहे ग्राम पंचायत निमोही के नागरिकों के लिए वेदांता पावर के सक्ती जिला स्थित थर्मल पावर प्लांट द्वारा वाटर टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। अपने सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी पिछले तीन वर्षों से ग्राम पंचायत निमोही में मार्च से जून तक टैंकरों के माध्यम से नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

इस वर्ष लगभग 120 परिवारों को प्रति दिन 12000 लीटर जल आपूर्ति से प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। वेदांता पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजिंदर सिंह आहूजा ने कहा कि वेदांता पावर अपने प्रचालन क्षेत्रों में दीर्घकालिक सामुदायिक विकास

कार्यक्रमों के जरिए जरूरतमंद नागरिकों की मदद के लिए कटिबद्ध है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विकास का ऐसा वातावरण तैयार करना है जिससे प्रत्येक जरूरतमंद को समानता के साथ विकास के अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि जल संचय और उसकी उपलब्धता आज की सबसे बड़ी जरूरत है। ऐसे में यह प्रसन्नता की बात है कि निमोही के नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप जल की आपूर्ति की जा रही है जिससे उन्हें जल संकट से निपटने में मदद मिल रही है। निमोही ग्राम पंचायत के सरपंच पारसमणि गभेल ने वेदांता पावर के बेहतरीन सामुदायिक विकास कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बताया कि उनके क्षेत्र में कंपनी की ओर से नागरिकों की हरसंभव मदद की जा रही है।

पेज 1 का शेष...

ट्रम्प का 8 साल बाद चीन...

एप्पल सीईओ टिम कुक और बोइंग सीईओ समेत 17 बड़े अमेरिकी कारोबारी भी गए हैं। हालांकि चिप कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग इस दौरे में शामिल नहीं होंगे।

विजय सरकार फ्लोर टेस्ट...

नेता उदयनिधि स्टालिन ने एआईएडीएमके के बागी विधायकों और विजय की मुलाकात पर कहा कि यह मुलाकात बदलाव है या सौदेबाजी? क्या यही आपकी साफ-सुथरी सरकार है? टीवीके सरकार को इंस्टाग्राम रील के जरिए नहीं, बल्कि रियल गवर्नेंस करनी चाहिए। इस पर सीएम विजय ने कहा हमारी सरकार सेक्युलर तरीके से घोड़े की रफ्तार से काम करेगी न कि हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होगी।

एन. रंगासामी 5वीं बार...

नमस्सिवायम 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। पिछली पुडुचेरी सरकार में वे गृह मंत्री थे। 4 मई को आए पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के परिणामों में रंगासामी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को 30 में से 16 सीटें मिली थी।

केवल परीक्षा नहीं, लाखों...

रद्द होने की स्थिति ने छात्रों की चिंता और अविश्वास को और गहरा कर दिया है। यह घटनाएं केवल समाचार नहीं होतीं। इनके पीछे लाखों छात्रों की टूटी हुई मानसिक स्थिति, परिवारों की बेचैनी और वर्षों की मेहनत का दर्द छिपा होता है। एक छात्र अकेला तैयारी नहीं करता। उसके साथ पूरा परिवार तैयारी करता है।

हिंदू धर्म जीवन जीने का...

स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव, सबरीमाला मंदिर और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े धार्मिक स्वतंत्रता मामलों पर सुनवाई कर रही है। बुधवार को सुनवाई का यह 15वां दिन है। बेंच में जस्टिस बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।

एमपी में शिक्षकों को टेट

करना होगा। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज और अधिवक्ताओं की ओर से विभिन्न दलीलें पेश की गईं, लेकिन फिलहाल शिक्षकों को राहत मिलने की संभावना कम नजर आ रही है। हालांकि, 70 से अधिक याचिकाओं पर बुधवार शाम तक सुनवाई जारी रही। ऐसे में मामले में अंतिम निर्णय अभी नहीं आया है। जनजातीय कल्याण शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर ने कहा- हमारे संगठन ने भी एक याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान वह खुद मौजूद थे। अधिवक्ताओं के मजबूत तर्कों के बावजूद कोर्ट का रुख सकारात्मक नहीं लगा। दरअसल, यह मामला सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के उस आदेश से जुड़ा है, जिसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 1998 से 2009 के बीच बिना टीईटी नियुक्त हुए शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य करने के निर्देश जारी किए थे। ये नियुक्तियां राज्य सरकार की मेरिट प्रक्रिया के तहत हुई थीं। मध्य प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या करीब डेढ़ लाख बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि यदि कोई शिक्षक पात्रता परीक्षा पास नहीं करता है, तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आदेश जारी होने पर प्रदेशभर के शिक्षक संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। शिक्षक संगठनों ने फैसले के खिलाफ आंदोलन भी किया। उन्होंने मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से आदेश पर पुनर्विचार की मांग की। पिछले महीने मध्य प्रदेश सरकार, शासकीय शिक्षक संगठन, राज्य कर्मचारी संघ और कई शिक्षा संगठनों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी।

माता और बहनों का

की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। साथ ही 34 लाख महिला कृषकों को दुग्ध उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 25 गाय या भैंस का पालन करने वाले पशुपालकों को सरकार द्वारा 10 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है।

उ?द पर 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नरसिंहपुर जिला गन्ने की खेती के लिए प्रसिद्ध है और यह शक्कर का कटोरा है। इससे यहां के 20 हजार से अधिक परिवारों को रोजगार मिल रहा है। गाडरवारा की तुअर दाल प्रदेश ही नहीं देश में भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। नरसिंहपुर जिला सोयाबीन और गेहूं के उत्पादन में भी अग्रणी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गेहूं, चना, सरसों, मसूर एवं उ?द की समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित कर रही है। उ?द पर 600 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस भी दिया जाएगा। मध्यप्रदेश देश का सबसे अधिक गेहूं खरीदी करने वाला राज्य है। किसानों के हित में 23 मई तक खरीदी की जा रही है। आवश्यकता हुई तो आगे भी खरीदी की अवधि ब?ाई जाएगी।

मध्यप्रदेश में हो रहा तेजी से विकासात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से देश बदल रहा है और इसके साथ ही मध्यप्रदेश में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। सिकलसेल, कुपोषण से ल?ने में प्रदेश सरकार सफल हो रही है। ला?ली लक्ष्मी योजना से 53 लाख बेटियों की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। प्रदेश की 80 लाख बेटियों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जा रही है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में 55 हजार रुपये की राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री राहत योजना में नरसिंहपुर जिले में बेहतर कार्य हो रहा है। इस योजना में स?क दुर्घटना में घायलों के उपचार के लिए डे? लाख रुपये तक का सारा खर्च सरकार दे रही है। पहले दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए लोग डरते थे, लेकिन अब उन्हें डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि मानवीय पहल कर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्तियों को सरकार द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जा रही है।

जल की एक-एक बूंद बचाने की अपील

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि जल है, तो जीवन है, जल है तो खेती है और जल है तो समृद्धि है। हमारे धार्मिक अनुष्ठानों में भी जल का विशेष महत्व है। प्रदेश के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण का अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आमजन को सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव विकासखंड के ग्राम मेख में एक मालगुजार द्वारा 21 एक? जमीन तालाब निर्माण के लिए दान किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि यह अनुकरणीय उदाहरण है। परिवार को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहपुर जिले की ऐतिहासिक धार्मिक एवं पुरातात्विक धरोहरों पर आधारित कलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर में बरमान घाट, मृगनाथ तपोवन आश्रम, दादा दूल्हादेव महाराज, नरसिंह मंदिर, चौगान का किला, बरहेटा की पुरातात्विक धरोहर, गरूण मंदिर, बिनेकी टोला के शैल चित्र, मां राजराजेश्वरी त्रिपुरसुंदरी मंदिर, पीतल नगरी चीचली, गुरू गुफा अमोदा शंकर घाट को शामिल किया गया है।

इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से ज्वेलरी उद्योग की मुसीबतें और बढ़ीं

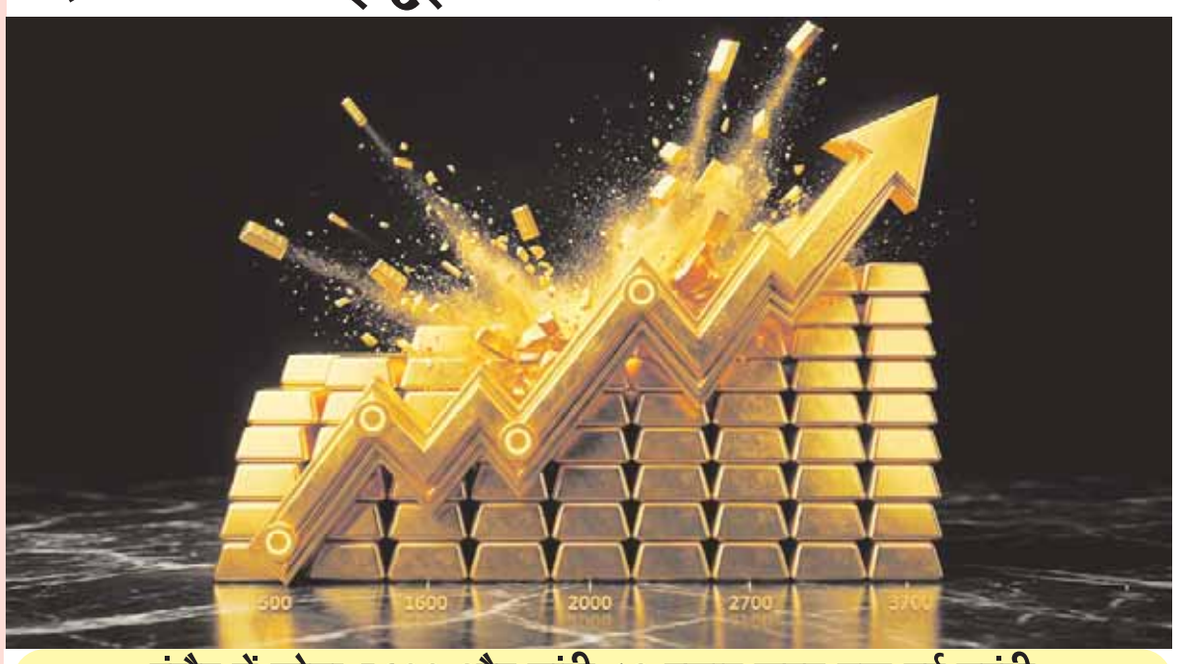

इंदौर में सोना 5600 और चांदी 12 हजार रुपए तक हुई महंगी

शैलेश पाठक

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक साल सोना नहीं खरीदने की अपील के बाद अब सोने-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दिए जाने से ज्वेलरी उद्योग और सराफा व्यापारियों की परेशानी और बढ़ गई। हालांकि ज्वेलर्स को ड्यूटी में बढ़ोतरी का अंदेशा पहले ही हो गया था और वैसा ही हुआ। केंद्र सरकार ने चांदी-सोने पर आयात शुल्क 5 फीसदी से बड़ा बढ़कर 10 फीसदी कर दिया है और सेस 1 फीसदी से बढ़कर 5 फीसदी कर दिया है। सोने और चांदी में जो ड्यूटी 6 फीसदी लगती थी वह बढ़कर अब 15 फीसदी लगेगी। यानी कुल मिलाकर सोने और चांदी के आयात के लिए अब हमें 9 फीसदी ज्यादा ड्यूटी ज्यादा देना पड़ेगी। इसके चलते बुधवार को भारतीय बाजारों में दोनों धातुओं की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। हालांकि बढ़ते दामों पर बाजार में ग्राहकों का सन्नाटा देखने को मिला है। बुधवार को इंदौर सराफा बाजारों में सोना केडबरी 5600 रुपये उछलकर 157000 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 12 हजार रुपये उछलकर 269000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई जबकि अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में भी सोना कमजोर रहा। कॉमेक्स पर सोना वायदा 10 डॉलर टूटकर 4690 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया। वहीं चांदी वायदा 249 सेंट उछलकर 86.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सराफा व्यवसायी नीलेश सारडा का कहना है कि सरकार ने सोने के इंपोर्ट को कम करने और बढ़ते राजकोषीय घाटे के साथ भारतीय रुपये के अवमूल्यन को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उल्लेखनीय है की भारत के आयात बिल का 9 फीसदी हिस्सा सोने का है। हालांकि वर्ष दर वर्ष सोने की आयात की मात्रा में तो थोड़ी कमी आ रही है, पर लगातार बढ़ते भाव से बिल में इजाफा हो रहा है और हमें ज्यादा डॉलर देना पड़ रहे हैं। बुलियन एवं आभूषण इंडस्ट्री की बात करें तो प्रधानमंत्री की अपील से और बढ़ाई गई आयात ड्यूटी से इस इंडस्ट्री पर नकारात्मक असर पड़ना तय है। आने वाले दो वर्ष इस ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए बहुत ज्यादा चुनौती पूर्ण होने की संभावना है। मध्य पूर्व तनाव के शुरू होते ही विश्व व्यापी ऊर्जा संकट का माहौल है और क्रूड ऑयल के दाम जो लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल हुआ करते थे वह अब 100 डॉलर के ऊपर पहुंच गए हैं। पूरे विश्व में पेट्रोल-डीजल के दाम में इजाफा देखा जा रहा है लेकिन भारत में अभी तक पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढे हैं। बुधवार को डॉलर की दर 96 डॉलर के करीब पहुंच गई है। आयातकों के लिए बड़ी चिंता की बात है। सोने और चांदी की आयात ड्यूटी में वृद्धि का यह कदम एक शुरुआत है और जल्दी ही पेट्रोल-डीजल के दामों में भी परिवर्तन होने की संभावना है जिसके बाद परिवहन और माल ढुलाई लागत में वृद्धि होगी। इससे महंगाई और बढ़ने का संकेत है। सूत्रों की माने तो आगे भले ही मध्य पूर्व तनाव खत्म हो जाएगा लेकिन उसके दुष्परिणाम अगले 1 वर्ष तक पूरे विश्व को झेलने पड़ेंगे।

कॉमेक्स वायदा- सोना वायदा 4690 डॉलर तक जाने के बाद ऊपर में 4726 डॉलर और नीचे में 4685 डॉलर प्रति औंस और चांदी 86.55 डॉलर तक जाने के बाद ऊपर में 87.78 डॉलर और नीचे में 85.52 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इंदौर के बंद भाव- सोना केडबरी रवा नकद में 157000, सोना आरटीजीएस में 159000 (जीएसटी अतिरिक्त), सोना 22 कैरेट 145700 रुपये प्रति दस ग्राम (जीएसटी अतिरिक्त) है। मंगलवार को सोना 151400 रुपये पर बंद हुआ। चांदी चौरसा 269000, चांदी आरटीजीएस 278000 चांदी टंच 269500 रुपये प्रति किलो और चांदी सिक्का 2880 रु. प्रति नग बिका। मंगलवार को चांदी 257000 रु. पर बंद हुई थी। उज्जैन। सोना केडबरी 157000, सोना रवा 156500 रु. दस ग्राम और चांदी पाट 270000, चांदी टंच 269000 रुपये प्रति किलो, चांदी सिक्का 2700 रुपये प्रति नग के भाव बोले गए।

देसी-विदेशी तुवर की आवक में कमी

इंदौर। तुवर दाल में मांग का दबाव धीरे-धीरे बढ़ने लगा हैं। इस वजह से तुवर बाजार में मजबूती का रुख देखने को मिल सकता हैं। तुवर दाल में ताजा मांग निकलने के साथ ही प्रमुख स्पॉट बाजारों में देसी तुवर की आवक बेहद कमजोर रहने से

बाजार को अच्छा समर्थन मिल रहा है। वहीं लेमन तुवर में भी मामूली सुधार का रुख बना हुआ है। लातूर, हिंगनघाट, मलकापुर, खामगांव सहित कर्नाटक की प्रमुख मंडियों में भी आवक कम हो रही है। आयात की स्थिति पर नजर डालें तो बर्मा से तुवर आयात पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम है। पहले ऊँची डिस्पैरिटी के कारण आयात बेहद ही सीमित है, हालांकि अब आयात पैरिटी स्पॉट बाजार के लगभग बराबर आ चुकी है। इसके बावजूद बर्मा से बिकवाली फिलहाल सीमित रहने से घरेलू बाजार को मजबूती बनी हुई है। नाफेट द्वारा अभी तक लगभग 3.00 लाख टन तुवर खरीदी पूरी हो चुकी है और बफर में 4.40 लाख टन पुराना स्टॉक भी मौजूद है। यानि की सरकारी स्टॉक कुल लगभग 7.40 लाख टन पहुँच गया है। तुवर बाजार को जून से सपोर्ट मिलने की उम्मीद है इसका प्रमुख कारण मॉनसून बारिश के साथ तुवर दाल में डिमांड बढ़ने की उम्मीद है। वहीं अच्छी क्वालिटी की आवक की कमी है और अगस्त-सितम्बर में एल नीनो की संभावना से कम बारिश होती है तो यील्ड पर असर पड़ सकता है।

काबुली चने में 150 रुपए टूटे

वहीं काबुली चने में ग्राहकी बेहद सुस्त बनी हुई है जबकि हलके-मीडिमम मालों की आवक खूब हो रही है जिसेस काबुली चने की कीमतों में नरमी रही। बुधवार को काबुली चना करीब 100-150 रुपये तक टूट गया। आवक 3200 बोरी के करीब बताई गई। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं देखा गया। कंटेनर में नया काबुली (डॉलर) चना 42/44 9600, 44/46 9300, 50/52 8250, 58/60 7100, 60/62 7690 रुपये प्रति क्विंटल भाव बताए गए। दलहन- चना कांटा 5725-5775, विशाल चना 5650-5700, महाराष्ट्र विशाल 5750-5800, काबुली डॉलर 7400-8500, काबुली रशियन 5800-6000, बिटकी 5000-5300, मसूर 6050-6100, तुवर महाराष्ट्र सफेद 7200-7400, महाराष्ट्र लाल 7500-7700, कर्नाटक नई 7700-7900 नई निमाड़ी तुवर 6000-7300, मूंग बेस्ट गर्मी नई 7500-7600, बेस्ट 8200-8500, मीडियम 7600-7800, एवरेज गर्मी 7000-7200, मोगर 5500-6500, उड़द बोल्ड 8500-8700, एवरेज 7000-8000, हलका उड़द 4000-6000 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बताए गए। दालों के दाम- चना दाल 6950-7050, मीडियम 7150-7250, बेस्ट 7450-7650, मसूर 7900-7900, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9600, बेस्ट 10000-10100 मूंग मोगर 10400-10600, बेस्ट 10800-11000, तुवर दाल 7400-7600, मीडियम 8600-8800, बेस्ट 10000-10200, ए.बेस्ट 11000-11100, ब्रांडेड व्हाइटरोज तुवर दाल 12300, उड़द दाल 9800-10000, बेस्ट 10300-10500, उड़द मोगर 10500-10700 बेस्ट 10900-11100, रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोले गए। इंदौर चावल भाव- दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 12000-13000, तिबार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7500-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 9000, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5500, परमल 3400-3500, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रुपये प्रति क्विंटल।

प्लांटों की ऊंचे दामों पर खरीदी घटने के बावजूद सोयाबीन में बड़ी मंदी नहीं

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में क्रूड आयाल के दामों में काफी ऊंचे होने के साथ ही भारतीय बाजारों में भी सोयाबीन की आवक पिछले 10-15 दिनों से काफी घट गई है जिससे सोयाबीन की कीमतों में एकतरफा तेजी की स्थिति बनी हुई है। प्लांटों की सोयाबीन में हर दामों पर खरीदी बनी हुई है। प्लांट खरीदी भाव 5800 रुपये थे तब से तेजी का बिगुल बचा जो वर्मातन में 7430 रुपये प्रति क्विंटल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। अभी भी सोयाबीन का फंडामेंटल मजबूत बताया जा रहा है। हालांकि कुछ बड़े प्लांटों की ऊंचे दामों पर खरीदी कमजोर देखने को मिली है। इसके बावजूद बड़ी मंदी की उम्मीद कम नजर आ रही है। महाराष्ट्र और राजस्थान के प्लांटों की खरीदी मजबूत बनी हुई है। ऐसे में सोयाबीन में बड़ी मंदी की आशंका कमजोर पड़ जाएगी। इसका एक कारण यह भी है कि सोयाबीन की आवक अब बढ़ने की उम्मीद कम है जिससे बाजार और बढ़ना तय है। दूसरी ओर भारतीय बाजार में सोयाबीन तेल की सप्लाई कमजोर रहने से सुधार का रुख जारी रहा। बुधवार को सोयाबीन तेल इंदौर आंशिक सुधरकर 1460-1465, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1400-1405, इंदौर पाम तेल 1530 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया। दूसरी ओर विदेशों में पाम तेल क्लोजिंग तक निचले स्तरों से रिकवर जरूर हुआ, लेकिन एमपीओबी के अप्रैल डेटा और कमजोर चाइना पाम ओलिन बाजार ने रिकवरी की रफ्तार सीमित देखी गई। यूएसडीए ने रिपोर्ट दी है कि अमेरिका में सोयाबीन का स्टॉक 12.8 फीसदी कम है जो अप्रैल के अनुमान से कम है। कमजोर एनर्जी और चाइना वेज ऑयल बाजार से पाम ऑयल पर दबाव बरकरार है। पाम ऑयल मिडडे तक तेज कमजोरी के साथ ट्रेड करता दिखा। कुल मिलाकर, मार्केट अभी भी मुख्य रूप से फ्यूचर्स-ड्रिवन बना हुआ है, जबकि पर्याप्त साउथ अमेरिकी सप्लाई फिजिकल बाजार पर दबाव बनाए हुए है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक क्रूड ऑयल और व्यापक वेज ऑयल बाजार स्थिर नहीं होते, तब तक रिकवरी पर ऊंचे स्तरों पर बिकवाली देखने को मिल सकती है। देशभर में सोयाबीन की आवक 1 लाख 30 हजार बोरी की रही जिसमें से मध्यप्रदेश में 70 हजार बोरी, महाराष्ट्र में 40 हजार बोरी, राजस्थान में 7000 बोरी और अन्य राज्यों में कुल 8000 बोरी की आवक दर्ज की गई।

छावनी अनाज मंडी - मंडी में सरसों निमाड़ी 7400-7500, रायडा 6400-6500, सोयाबीन 6700-7000 रु. क्विंटल के भाव रहे। लूज तेल - मुंगफली तेल इंदौर 1570-1570, मुंबई मूंगफली तेल 1610, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1460-1465, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1400-1405, इंदौर पाम तेल 1530, मुंबई सोया रिफाइंड 1485, मुंबई पाम तेल 1470, राजकोट तेलिया 2470, गुजरात लूज 1550, कपास्या तेल इंदौर 1440 रुपये प्रति दस किलो।

प्लांट सोयाबीन भाव - बेतुल ऑयल सतना 7430, बेतुल ऑयल 7425, प्रकाश 7375, धुलिया 7250, धीरेंद्र सोया 7411, एमएस सॉल्वेक्स नीमच 7350, नीमच प्रोटीन 7350, एबीआईएस बदनावर 7325, लिविंग फूड्स 7301, मित्तल 7301, केएन इटारसी 7411, अवी एग्रो 7375, प्रेटीज 7350, सांवरिया 7350, सूर्या फूड्स 7350, सिहल 7300, केपी निवाड़ी 7250, अमृत 7250, दिव्य ज्योति 7250, रामा 7200, महेश रिफाइनरी 7200, आइडिया लक्ष्मी देवास 7200, खंडवा ऑयल 7150 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोले गए।

कपास्या खली- इंदौर 2525, देवास 2525, उज्जैन 2525, खंडवा 2500, बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 रुपये के भाव बताए गए। कमजोर क्रूड ऑयल कीमतों, नरम सबीओटी सोया ऑयल और चाइना वेज ऑयल बाजार में लगातार कमजोरी ने बाजार के सेंटीमेंट को दबाव में रखा।

आयात घटने और डॉलर में मजबूती से बादाम की कीमतों में जोरदार तेजी

इंदौर। बादाम के प्रमुख उत्पादक केंद्रों कैलिफोर्निया में उत्पादन फिलहाल मामूली कम बताया जा रहा है लेकिन कैलिफोर्निया में आने वाले महीनों में मौसम का खतरा अभी भी बना हुआ है। मार्केट अब मौसम, पानी की उपलब्धता और शिपमेंट की मांग पर करीब से नजर रखेगा। कैलिफोर्निया के बादाम बड़े व्यापारी-स्टॉकिस्ट भी माल रोक-रोककर बेच रहे है जिससे वहां भी तेजी का वातावरण बना हुआ है। कैलिफोर्निया में अप्रैल महीने में भारत के लिए आयात सौदे मात्र 995 कंटेनर हुए जो 2026 मार्च की तुलना में 315 कंटेनर कम है 2026 मार्च में 1310 कंटेनर के सौदे हुए थे। इसी प्रकार 2025 अप्रैल में 1407 कंटेनर जारी हुए है। इसके अलावा डॉलर लगभग 96 डॉलर तक पहुंच गया है। आयातकों के लिए बड़ी चिंता की बात है। ईंधन की कीमतें कभी भी बढ़ सकती हैं। परिवहन और माल ढुलाई लागत में वृद्धि होगी। कीमतें कम होने की संभावना नहीं है। भारतीय आयातकों को बादाम की आयात पड़तल भी काफी ऊंची बैठ रही है। दिल्ली-मुंबई में बादाम की आयात पड़तल 950 रुपये से अधिक बैठ रही है जिससे बादाम की कीमतों में बुधवार को भी तेजी दर्ज की गई। बुधवार को बादाम के दाम करीब 20 रुपये प्रति किलो तक उछल गए है। पिछले 11 दिनों में बादाम के दामों में करीब 70 रुपये की तेजी प्रति किलो पर आ चुकी है। इंदौर में बादाम इंडिपेंडेंट बढ़कर 790 से 810 अमेरिकन 880 से 900, मोटा दाना 950 से 1000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। बादाम के वर्मतान दामों में और करीब 50 रुपये प्रति किलो आगे देखने को मिल सकती है। इधर, नारियल, खोपरा गोला और बूरे में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। नारियल की आवक एक गाड़ी की रही। नारियल 120 भरती 2600, 160 भरती 2600, 200 भरती 2800, 250 भरती 2800 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 390-421, कट्टे में 375-380 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 3300-6600 रुपये प्रति 15 किलो के भाव बोले गए। इंदौर

में शकर की मांग सीमित रूप से बनी हुई है। मिलें भी अधिक से अधिक मात्रा में शकर की बिक्री कर रही है। इसके बावजूद शकर के दाम मजबूती पर टिके हुए है। शकर नीचे में 4180 ऊपर में 4240 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक तीन गाड़ी की रही। शकर- शकर 4180-4200, बेस्ट क्वालिटी 4220-4240, गुड़ भैली 4500-4600 कटोरा 4900-5000, लड्डू 5200-5300, खोड़ी 5500-5600, महाराष्ट्र गुड़ ग्लास 5300-5600, रुपये प्रति क्विंटल। नारियल- नारियल 120 भरती 2600, 160 भरती 2600, 200 भरती 2800, 250 भरती 2800 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 390-421, कट्टे में 375-380 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 3300-6600 रुपये प्रति 15 किलो के भाव बोले गए।

पूजन सामग्री- देशी कपूर 850 से 860 बेस्ट 875 से 900, पूजा बादाम 115 से 125, बेस्ट 220 से 230, पूजा सुपारी 425 से 450, अरीठा 180 रुपये और सिंदूर (25 किलो) 7300 रुपये। केसर 225-271 रुपये। फलाहारी- साबूदाना सच्चामोती साबूदाना (रजिस्टर्ड) 1 किग्रा 6125, 500 ग्राम 6225, 200 ग्राम 6525, सच्चामोती साबूदाना (रजिस्टर्ड) लूज 5625, रायलरतन साबूदाना (1 किलो) 6275, (500 ग्राम) 6375, रायलरतन साबूदाना लूज 5725, सच्चामोती पोहा (रजिस्टर्ड) 1 किलो 5750, (500 ग्राम) 5850, सच्चामोती खोपरा बूरा (1 किग्रा पैक) 4200 (15 किलो कट्टा), सच्चामोती मोरधन 500 ग्राम 7100, रायलरतन मोरधन 500 ग्राम 12000 रुपये के भाव बोले गए। मसाले-कालीमिर्च 740 से 760,, मिनिमटर 770 से 790, मटरदाना 800 से 820, हल्दी निजामाबाद 210 से 230, हल्दी सांगली 275-280, जीरा 225 से 250, मीडियम 250 से 275 बेस्ट 270 से 280, सौंफ मोटी 120 से 150, बेस्ट 275 से 350, एक्सट्रा बेस्ट 350 से 400, बारीक 180 से 300, लौंग चालू 730 से 755, बेस्ट 770 से 785, दालचीनी 250 से 255, जायफल 850 से 880, बेस्ट 925 , जावत्री 1875 से 1975, बेस्ट 2100 से 2150, बड़ी इलायची 1625 से 1675, बेस्ट 1850 से 1900, पत्थरफूल 235 से 255, बेस्ट 325-425, बाद्यान फूल 425 से 475, बेस्ट 525-550, शाहजीरा खर 350-400, ग्रीन 950 से 1100, तेजपान 92 से 98, नागकेसर 975, सौंठ 320 से 340, धोली मूसली 1475, हींग 751-3450, पाउच में 10 ग्राम 3550, 121-50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3350, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3150, पाउडर 850 से 900, हरी इलायची 1700 से 1800, मीडियम 1850 से 1900, बेस्ट 1950 से 2100, एक्सट्रा बेस्ट 2300 से 2400 और पानबार 1600-1650 रुपये।

सूखे मेवे- काजू डब्ल्यू 240 नंबर 920-950, डब्ल्यू 320 नंबर 830-860, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 790 से 810, काजू जेएच 820-840, काजू टुकड़ी 760-800, बादाम इंडिपेंडेंट 790 से 810 अमेरिकन 880 से 900, मोटा दाना 950 से 1000, टांच 750 से 775, खसखस चालू 800 से 950, बेस्ट 1050 से 1350, खारक 75 से 80, मीडियम 90 से 125, बेस्ट 148 से 260, किशमिश कंधारी 450 से 500, बेस्ट 550 से 600, इंडियन 400 से 450 बेस्ट 450-500, चारौली 1500 से 1650, बेस्ट 1750 से 1800, मुनक्का 350 से 575, बेस्ट 675 से 950, अंजीर 650 से 850 बेस्ट 975-1250, तरबूज मगज बेस्ट 520-550 बारिक 280-300, मखाना 800-950 बेस्ट 1150-1200, एक्सट्रा बेस्ट 1250-1300, पिस्ता कंधारी 2800-2900, पिशोरी 3100-3200, ईरानी बड़ा पिस्ता 2075-2150, नमकीन पिस्ता 950-1200, बेस्ट 1200-1250, अखरोट 550-650, चिली बेस्ट 700-750 अखरोट गिरी 1250-1350, बेस्ट 1400-1450, जर्दालू 375 से 475, बेस्ट 550-650 केसर खुली ईरानी 190-220 केसर पेकिंग 240-250 रुपये।

तुवर की एमएसपी 450 और उड़द 400 रुपए बढ़ी

इंदौर। मोदी कैबिनेट ने मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी है, जिसमें तुवर, उड़द, मूंग और अन्य दालें शामिल हैं। इस फैसले का उद्देश्य किसानों को उनकी फसलों के लिए बेहतर लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। जानकारी के मुताबिक तुवर की एमएसपी 450 रुपये बढ़कर 8450 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द की एमएसपी 400 रुपये बढ़कर 8200 रुपये प्रति क्विंटलत और मूंग की एमएसपी मात्र 12 रुपये बढ़कर 8780 रुपये प्रति क्विंटल तय गई गई।

डॉलर की उड़ान से इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में करंट, लैपटॉप और मोबाइल होंगे महंगे

इंदौर। सोने-चांदी और खाद्य तेलों के बाद अब आम आदमी की जेब पर इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की बढ़ती कीमतें भी बोझ डालने वाली हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर के 96 डॉलर के करीब पहुँचने और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण शिपिंग लागत में हुई वृद्धि का सीधा असर गैजेट्स और घरेलू उपकरणों पर दिखने लगा है।

आयात लागत में 10 से 12 फीसदी की वृद्धि

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों और चिपसेट के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। डॉलर महंगा होने से आयातकों को अब पहले के मुकाबले अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। इसके चलते आने वाले दिनों में निम्नलिखित उत्पादों की कीमतों में 5 से 10 फीसदी तक की बढ़ोतरी तय मानी जा रही है:-

स्मार्टफोन और लैपटॉप: सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले पैनल महंगे होने से ब्रांड्स अपनी कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

होम एप्लायंसेस: एसी, फ्रिज और वाशिंग मशीन की मैन्युफैक्चरिंग में इस्तेमाल होने वाले तांबे (Copper) और एल्युमिनियम की लागत भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ गई है।

संभागायुक्त आशीष सिंह की कलेक्टर कॉन्फ्रेंस, राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश

उज्जैन/नवप्रदेश। उज्जैन संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों को राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे अविवादित लंबित मामलों को एक माह के भीतर समाप्त किया जाए तथा लोक सेवा गारंटी के प्रकरण समय सीमा से बाहर होने पर संबंधित अधिकारियों पर पेनाल्टी लगाई जाए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित निरीक्षण कर कार्यप्रणाली पर नजर रखी जाए। सीमांकन प्रकरण बिना उचित कारण के निरस्त न हों तथा नक्शा दुरुस्ती संबंधी आवेदन प्राप्त होने पर नियमानुसार प्रकरण दर्ज किए जाएं। बैठक में बताया गया कि उज्जैन और नीमच जिलों में सीमांकन प्रकरण लंबित नहीं हैं। बैठक में उज्जैन, देवास, रतलाम, शाजापुर, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच जिलों के कलेक्टरों ने गेहूं खरीदी, बारदान उपलब्धता तथा गेहूं परिवहन की जानकारी भी प्रस्तुत की। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने गर्भवती महिलाओं के अनिवार्य एएनसी पंजीयन, समय पर टीकाकरण, आयरन गोली वितरण तथा स्वास्थ्य निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की नियमित ट्रैकिंग हो और सभी प्रसव अस्पतालों में कराए जाएं, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य बेहतर हो सके। मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने बताया कि जिले में जन्म के बाद 24 घंटे तक नवजात को मां के साथ रखने की व्यवस्था की गई है, जिससे शिशु को तुरंत मां का दूध मिल सके। वहीं देवास कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने बताया कि बच्ची के जन्म के समय स्वच्छता प्रोटोकॉल अपनाने से संक्रमण में कमी आई है। संभागायुक्त ने इन दोनों मॉडलों का अध्ययन कर अन्य जिलों में भी लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में टीबी नियंत्रण, कुपोषण मुक्ति, आंगनवाड़ी पंजीयन, पोषण आहार वितरण तथा नवजात शिशुओं की सही फीडिंग के लिए विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाने पर भी चर्चा हुई। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मास्टर ट्रेनर बनाकर अन्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने की योजना भी बनाई गई। इसके अलावा जल गंगा संवर्धन अभियान, नल जल योजना, साक्षरता अभियान और स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

न्यूज गैलरी

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, शिप्रा तट पर 140 नए पहुंच मार्ग चिन्हित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर उज्जैन में करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु प्रशासन सक्रिय

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 महापर्व की तैयारियों को लेकर मोहन यादव के निर्देश पर प्रशासन ने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। विश्वभर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम स्नान व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर पांच दिनों तक लगातार निरीक्षण किया। इस दौरान 36.5 किलोमीटर पैदल भ्रमण कर 140 स्थानों को नए पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) निर्माण के लिए चिन्हित किया गया। बुधवार को नियमित निरीक्षण क्रमांक-37 के तहत संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर (रौशन कुमार सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित अधिकारियों की टीम ने निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के ईंधन बचत आह्वान और मुख्यमंत्री की पहल पर सभी अधिकारी एक ही बस में सवार होकर निरीक्षण के लिए पहुंचे, जिससे पेट्रोल-डीजल की मितव्ययता का संदेश भी दिया गया। निरीक्षण के दौरान लाल पुल ब्रिज के नीचे स्थित घाट क्षेत्र से शुरुआत करते हुए गऊघाट, वेधशाला क्षेत्र, वाकणकर ब्रिज, जीवनखेड़ी तथा शनि मंदिर के समीप पुराने एवं निर्माणाधीन घाटों तक पहुंच मार्गों के लिए स्थान चिन्हित किए गए। प्रशासन ने सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत शिप्रा नदी के 29 किलोमीटर क्षेत्र में नए घाटों के निर्माण कार्यों को भी गति दी है। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि घाटों से लगभग 200 मीटर क्षेत्र में ऐसे मार्ग विकसित किए जाएं, जिनसे श्रद्धालु आसानी से घाट तक पहुंच सकें और स्नान के बाद सुरक्षित लौट सकें। उन्होंने कहा कि चिन्हित स्थलों की सूची पुलिस विभाग को सौंपी जाएगी, ताकि भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन की प्रभावी योजना तैयार की जा सके। प्रशासन का मानना है कि व्यवस्थित पार्किंग, चौड़े पहुंच मार्ग और नए घाटों के निर्माण से सिंहस्थ-2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा उज्जैन की मेजबानी विश्वस्तरीय बनेगी।

भैरवगढ़ में शुरू हुआ योग अभियान, 20 जून तक चलेंगे प्रशिक्षण सत्र

उज्जैन/नवप्रदेश। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के व्यापक आयोजन को लेकर आयुष विभाग द्वारा जिले में योग जागरूकता अभियान शुरू कर दिया गया है। आयुष विभाग के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न आयुष संस्थाओं में 20 जून तक योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ में हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग थीम पर विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक के निर्देशन में 12 मई से 20 जून तक आयोजित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य आमजन को नियमित योगाभ्यास से जोड़कर निरोग जीवन के प्रति प्रेरित करना है। शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ में आयोजित योग सत्र में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता गुजराती ने उपस्थितजनों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में नागरिकों को अपने नजदीकी आयुष औषधालयों में पहुंचकर योग प्रशिक्षण लेने अथवा घर बैठे यूट्यूब लिंक के माध्यम से योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर भैरवगढ़ की टीम एवं आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा क्षेत्र के लोगों को योग से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा, ताकि भैरवगढ़ क्षेत्र को आदर्श योग क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके। इस अवसर पर डॉ. तरुणा तिवारी, संगीता भाटी, नवदुर्गा चौधरी, रेखा चौहान, ममता मालवीय, ममता परमार एवं राजश्री मालवीय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शिप्रा परिक्रमा 25-26 मई को, आस्था संग पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगी यात्रा

उज्जैन/नवप्रदेश। मोक्षदायिनी शिप्रा नदी की पावन शिप्रा परिक्रमा का आयोजन इस वर्ष 25 एवं 26 मई को भव्य रूप से किया जाएगा। यह परिक्रमा यात्रा का 23वां वर्ष है। आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शहर के एक स्थानीय होटल में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यूडीए अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 मई को रामघाट पर विधिवत पूजन-अर्चन के साथ यात्रा का शुभारंभ होगा, जबकि 26 मई को यात्रा का समापन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और यात्रा को ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे।

सीताराम वेयरहाउस पर किसानों का हंगामा, 5 दिन से तुलाई के इंतजार में सैकड़ों ट्रैक्टर

उज्जैन/नवप्रदेश। चिंतामन-जवासिया रोड स्थित दाऊदखेड़ी के पास सीताराम वेयरहाउस पर किसानों की भारी परेशानी सामने आई है। यहां पिछले पांच दिनों से सैकड़ों ट्रैक्टर अनाज बेचने के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन अब तक कई किसानों का नंबर नहीं लग सका है। किसानों का आरोप है कि वेयरहाउस पर बारदाना खत्म हो गया है, जिसके कारण तुलाई और खरीदी कार्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही किसानों के लिए न पानी की व्यवस्था है और न ही रुकने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे गर्मी में किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वेयरहाउस संचालकों का कहना है कि बारदाना मंगाया गया है और जल्द व्यवस्था सामान्य कर सभी किसानों की उपज की तुलाई शुरू कर दी जाएगी। इस मामले में ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेस जितेंद्र पटेल ने शासन-प्रशासन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किसान अन्नदाता है, लेकिन पांच-पांच दिन इंतजार के बाद भी नंबर नहीं आ रहा है। उन्होंने मांग की कि किसानों की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विधानसभा क्षेत्र में आता है, इसलिए किसानों को जल्द राहत मिलनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान योगेश पटेल, करण सिंह चौधरी, नीरज पटेल, प्रताप अंजना, हाकम सिंह, अशोक अंजना, मांगीलाल पटेल सहित बड़ी संख्या में किसानों ने विरोध दर्ज कराया।

ई-फार्मेसी और डीप डिस्काउंट के विरोध में 20 मई को दवा बाजार रहेगा बंद

उज्जैन/नवप्रदेश। अवैध ई-फार्मेसी और बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा दवाओं पर दी जा रही भारी छूट (डीप डिस्काउंटिंग) के विरोध में देशभर के दवा विक्रेता 20 मई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बंद करेंगे। के आह्वान पर यह हड़ताल आयोजित की जा रही है, जिसमें उज्जैन जिला के केमिस्ट भी सक्रिय रूप से शामिल होंगे। (मनोज दुग्गड़) ने बताया कि यह बंद दवा विक्रेताओं के अस्तित्व और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस व्यवसाय से देशभर में करीब 12.40 लाख दवा विक्रेता और लगभग 5 करोड़ लोग प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

जल संकट और बिजली कटौती पर भड़का आक्रोश, भैरवगढ़ जेल चौराहे पर चक्का जाम

उज्जैन/नवप्रदेश। शहर के वार्ड क्रमांक-1 में पेयजल संकट और जलप्रदाय के समय लगातार बिजली कटौती से नाराज रहवासियों का गुस्सा बुधवार को सड़कों पर दिखाई दिया। समस्या के समाधान की मांग को लेकर वार्ड पार्षद निकिता परमानंद मालवीय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भैरवगढ़ जेल चौराहे पर मुख्य मार्ग जाम कर चक्का जाम प्रदर्शन किया। रहवासियों का कहना था कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है और जब पानी सप्लाई किया जाता है, उसी समय बिजली कटौती कर दी जाती है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। चक्का जाम की सूचना मिलते ही नगर निगम, पीएचई विभाग और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। नगर निगम अधिकारी भावसार, उपयंत्रीगण, बिजली विभाग के अधिकारी कुमरावत, रविकांत मालवीय एवं आयुषी जैन ने रहवासियों से चर्चा कर समस्या की जानकारी ली। मौके पर ही बिजली विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए नई डीपी लगाने के निर्देश दिए। अधिकारियों के आश्वासन और त्वरित कार्रवाई के बाद रहवासियों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

नीट परीक्षा रद्द होने पर युवक कांग्रेस का प्रदर्शन, टावर चौक पर फूंका एनटीए डीजी का पुतला

उज्जैन/नवप्रदेश। नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के विरोध में शहर में युवक कांग्रेस ने बुधवार को उग्र प्रदर्शन किया। परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के विरोध में कार्यकर्ताओं ने टावर चौक पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) के डायरेक्टर जनरल का पुतला दहन कर नाराजगी जताई। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अर्पित यादव ने कहा कि परीक्षा रद्द होने से लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की मेहनत पर पानी फिर गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार हो रही गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और विद्यार्थियों के हित में पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की। युवक कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छात्रों पर दोबारा परीक्षा का मानसिक और आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। अर्पित यादव ने कहा कि कई परिवारों ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया, संसाधन जुटाए और वर्षों तक मेहनत की, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठने से युवाओं में निराशा बढ़ी है। प्रदर्शन में चंद्रभान सिंह चंदेल, अजीत सिंह ठाकुर, रहीम लाल, ललित मीना, पोप सिंह, यश जैन, हिमांशु शुक्ला, योगेश दायमा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीवन रक्षक भंडारे में बाबा उमाकांत जी महाराज का संदेश, सत्संग सुनने उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

उज्जैन/नवप्रदेश। बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के तीन दिवसीय जीवन रक्षक भंडारे के प्रथम दिन प्रातःकाल हजारों श्रद्धालु उज्जैन आश्रम पहुंचे, जहां परम पूज्य संत बाबा उमाकांत जी महाराज ने भक्तों को सत्संग का अमृतपान कराया। इस दौरान देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। सत्संग में बाबा उमाकांत जी महाराज ने कहा कि जब महाप्रलय का समय आता है तो संत अपने जीवों की अकाल मृत्यु नहीं होने देते और उन्हें सतदेश में ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि संतों को पहले ही आभास हो जाता है कि अब महाप्रलय निकट है। उन्होंने कहा कि संसार की कोई भी वस्तु स्थायी नहीं है। मनुष्य जिस घर, धन और वैभव को अपना मानता है, वह सब नश्वर है। यह संसार एक खेल के समान है, जहां सब कुछ समय आने पर समाप्त हो जाता है। स्थायी केवल परमात्मा का धाम है। बाबा उमाकांत जी महाराज ने सतलोक, अलख लोक, अगम लोक और अनामी लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि ये दयाल लोक हैं, जहां मृत्यु, दुख और काल का प्रभाव नहीं होता। वहीं परम पिता की कृपा से समस्त जीवों की रचना हुई है। भंडारे में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा दुबई, अमेरिका सहित अनेक देशों से भी श्रद्धालु पहुंचे। आश्रम परिसर में भक्तों की सुविधा के लिए सैकड़ों भंडारे, डेरे-रावटी एवं शौचालयों की व्यवस्था की गई है। तीन दिवसीय आयोजन के पहले दिन श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। आने वाले दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

नई शिक्षा नीति भारतीयता, आत्मनिर्भरता और कौशल विकास की ऐतिहासिक पहल : डॉ. कोठारी

उज्जैन/नवप्रदेश। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (मालवा प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में माधव भवन परिसर स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में शिक्षाविदों ने नई शिक्षा नीति को भारतीय मूल्यों पर आधारित, रोजगारोन्मुखी और भविष्यदर्शी बताया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति है, जिसका उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो विचार, व्यवहार और बौद्धिक दृष्टि से भारतीय हों। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक अंग्रेजियत को आधुनिकता का प्रतीक माना गया, लेकिन नई शिक्षा नीति इस सोच को बदल रही है। उन्होंने बताया कि नीति में मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, एक साथ दो डिग्री तथा मातृभाषा में शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। छठी कक्षा से व्यावसायिक शिक्षा और इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थी रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज ने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया लागू की गई है। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण हेतु 26 करोड़ रुपये की लागत से 18 हजार पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के तहत विश्वविद्यालय ने बिना अतिरिक्त आर्थिक भार के एक करोड़ लीटर जल संरक्षण किया है तथा 50 हजार पौधों का रोपण किया गया है। प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत प्लास्टिक बोतलों के पुनर्चक्रण से जैकेट तैयार किए जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. एच.एल. अनिजवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को विषय चयन की स्वतंत्रता देती है, जिससे वे विज्ञान के साथ कला और संस्कृत जैसे विषय भी पढ़ सकते हैं। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो. सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने दिया। जिज्ञासा समाधान सत्र में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। संचालन शिवांगी व्यास एवं नक्षत्र सैनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने माना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राचार्य, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साझा करने का विज्ञान

डॉ. अच्युत सामंत

एक प्रश्न है जिसने सदियों से दार्शनिकों, संतों और वैज्ञानिकों को समान रूप से सोचने पर मजबूर किया है। प्रश्न इतना सरल है कि कोई बच्चा भी पूछ सकता है–आख़िर देने से अच्छा क्यों लगता है? यह अच्छा लगना वैसा नहीं है जैसा कुछ पाने पर होता है। पाने का सुख क्षणिक होता है–वस्तु मिलते ही उसका आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है। लेकिन देने से जो अनुभूति होती है, वह बिल्कुल अलग होती है। वह एक शांत, स्थायी और गहरी ऊष्मा होती है, जो लंबे समय तक मन में बनी रहती है। ऐसा संतोष जो बदले में कुछ नहीं मांगता, और आश्चर्य यह कि जो हमें खाली नहीं बल्कि और अधिक पूर्ण बना देता है। हर सभ्यता ने इस प्रश्न का उत्तर खोजने की कोशिश की है, और लगभग हर सभ्यता एक ही निष्कर्ष पर पहुँची है। भागवत गीता इसे निष्काम कर्म कहती है–फल की इच्छा के बिना कर्म करना। दो, और फिर उसे छोड़ दो। इस अपेक्षा से मत दो कि बदले में कुछ मिलेगा या लोग तुम्हें देखेंगे और सराहेंगे। दो, क्योंकि देना उस आत्मा का स्वाभाविक गुण है जिसने ब्रह्मांड में अपना स्थान समझ लिया है। श्रीकृष्ण कहते हैं–फल तुम्हारा अधिकार नहीं, कर्म तुम्हारा अधिकार है। और देने का कर्म अपने आप में पूर्ण है। गौतम बुद्ध ने तो उदारता यानी दान को ध्यान, अनुशासन और ज्ञान से भी पहले रखा। क्योंकि जो हाथ केवल संग्रह करना जानते हैं, वे ध्यान नहीं कर सकते। जो हृदय हर चीज़ से चिपका रहता है, वह कभी शांत नहीं हो सकता। उदारता कोई ऐसा गुण नहीं जो ज्ञान प्राप्ति के बाद आता हो; वह तो वह द्वार है जिससे ज्ञान भीतर प्रवेश करता है। कुरान में सदक़ा को केवल दान नहीं बल्कि आत्मशुद्धि कहा गया है। जो तुम देते हो वह पवित्र नहीं होता, बल्कि उसे छोड़कर तुम स्वयं अधिक निर्मल हो जाते हो। यहूदी परंपरा में त्ज़ेदकाह दया नहीं बल्कि न्याय है। साझा करना कोई विशेष उदारता नहीं; यह उस संतुलन की पुनर्स्थापना है जिसे संग्रह करने की प्रवृत्ति ने बिगाड़ दिया है। और अब, इन शिक्षाओं के लगभग ढाई हजार वर्ष बाद, आधुनिक विज्ञान भी उसी निष्कर्ष तक पहुँच गया है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के शोध बताते हैं कि जब कोई व्यक्ति दूसरों को कुछ देता है, तो मस्तिष्क का वही भाग सक्रिय हो जाता है जो भोजन, संगीत या प्रिय व्यक्ति के चेहरे को देखकर सक्रिय होता है। शरीर में ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे रसायन बढ़ते हैं, जबकि तनाव का हार्मोन कॉर्टिसोल घटता है। अर्थात् देने वाला व्यक्ति केवल मानसिक रूप से नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी अधिक स्वस्थ होता है। मार्टिन सेलिंगमैन ने अपने शोध में पाया कि उदारता मानव जीवन की स्थायी प्रसन्नता का सबसे विश्वसनीय आधार है। प्राचीन लोग यह सब बिना प्रयोगशालाओं के जानते थे। उन्होंने जीवन को देखा और समझा। उन्होंने उस किसान को देखा जो अपना अनाज बाँटता था और पाया कि उसके खेत कभी सूखे नहीं। उन्होंने उस माँ को देखा जो पूरे मोहल्ले के बच्चों को खिलाती थी और पाया कि उसके अपने बच्चे कभी भूखे नहीं रहे। उन्होंने उस साधु को देखा जिसके पास कुछ नहीं था, फिर भी उसे किसी चीज़ की कमी नहीं थी। और उन्होंने निष्कर्ष निकाला–साझा करने से कुछ घटता नहीं, बल्कि बढ़ता है। मैंने यह शिक्षा न शास्त्रों से सीखी, न विज्ञान से। मैंने इसे एक कप चाय से सीखा। कलराबंक गाँव में मेरा बचपन अत्यंत गरीबी में बीता। चार वर्ष की आयु में पिता का निधन हो गया। माँ ने सात बच्चों को पाला। कई दिन ऐसे होते थे जब खाने को भी कुछ नहीं होता था। पाँच वर्ष की आयु से मैंने छोटे-मोटे काम करने शुरू किए। जो कुछ कमाता, उसे दोस्तों के साथ बाँट देता–चाय, नाश्ता, कभी फिल्म का टिकट। तब मुझे निष्काम कर्म शब्द नहीं पता था। मैंने गीता नहीं पढ़ी थी। पर एक बच्चे की सहज समझ से इतना जानता था कि बाँटने से चाय का स्वाद बेहतर हो जाता है, साथ चलने से रास्ता हल्का लगता है, और गरीबी भी कम भारी प्रतीत होती है। वही भावना आगे चलकर कीट बनी–पाँच हजार रुपये और दो किराए के कमरों से शुरू हुआ एक विश्वविद्यालय। वही भावना कीस बनी–अस्सी हजार आदिवासी बच्चों का घर और विद्यालय। और 2013 में वही भावना Art of Giving बन गई। Art of Giving कोई संगठन नहीं, बल्कि एक अनुभूति है। यह समझ कि देने की इच्छा हर मनुष्य के भीतर पहले से मौजूद है। वह उस दादी में है जो सुबह पक्षियों को दाना खिलाती है। उस ऑटो चालक में है जो बुजुर्ग यात्री से किराया नहीं लेता। उस छात्र में है जो अपने कमजोर सहपाठी को पढ़ाने के लिए रुक जाता है। यह भावना हर जगह है; उसे केवल अभिव्यक्ति की अनुमति चाहिए।

आज, तेरह वर्षों बाद, Art of Giving को दुनिया के 220 देशों में दो करोड़ से अधिक लोग मनाते हैं। वर्ष 2026 को संयुक्त राष्ट्र ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए स्वयंसेवा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है, और Art of Giving को इस अभियान में सहयोगी बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

इस वर्ष का विषय है–Share to Shine।

इसका अर्थ केवल धन देना नहीं है। इसका अर्थ है–जो तुम हो, उसे साझा करना। अपना समय, अपना ज्ञान, अपनी शांति, अपना ध्यान, अपनी उपस्थिति। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो शायद चुपचाप उसकी प्रतीक्षा कर रहा हो।

उपनिषदों की एक पंक्ति मुझे वर्षों से प्रेरित करती रही है–

पूर्णमदः पूर्णमिदम।

वह पूर्ण है, यह पूर्ण है। पूर्ण में से पूर्ण निकाल लेने पर भी पूर्ण ही शेष रहता है। साझा करने का इससे सुंदर वर्णन शायद कभी नहीं लिखा गया। जब आप पूर्णता से देते हैं, तब कुछ कम नहीं होता। दीपक दूसरे दीपक को जलाता है, पर उसकी लौ कम नहीं होती। कमरा केवल अधिक प्रकाशमय हो जाता है। यह केवल दर्शन नहीं है। यह विज्ञान है। यह जीवविज्ञान है। और यह हर उस मनुष्य का अनुभव है जिसने बिना गिने, बिना अपेक्षा के कुछ दिया और आश्चर्य से पाया कि उसके पास पहले से अधिक बचा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक , मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं -21 , सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया भोपाल से मुद्रित कर, ए-182 , शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित मो- 9425237314 , Email- navpradeshbhopal@gmail.com (न्याय क्षेत्र भोपाल)